RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 161 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 26 मार्च 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

एक और उपलब्धिः गोधन न्याय योजना को मिला एक और राष्ट्रीय अवार्ड, सीएम बघेल ने दी बधाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ की गोधन न्याय योजना को फिर से एक राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इस मौके पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कृषि मंत्री श्री रविन्द्र चौबे ने प्रदेशवासियों एवं कृषि विभाग के समस्त अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

दिल्ली टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी नई दिल्ली के डॉ. बी.आर. अम्बेडकर सभागृह में आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की गोधन न्याय योजना को ई-गवर्नेंस अवार्ड 2022 से नवाजा गया है। यह पुरस्कार कम्प्यूटर सोसायटी ऑफइंडिया (स्पेशल इंटरेस्ट ग्रुप ऑन ई-गवर्नेंस) द्वारा दिया जाता है। नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में कृषि विभाग की ओर से यह पुरस्कार कृषि विभाग के संयुक्त संचालक आर एल खरे ने ग्रहण किया। गोधन न्याय योजना को राज्य और प्रोजेक्ट केटेगरी में चयनित किया गया है। उल्लेखनीय है कि गोधन न्याय योजना को पूर्व में ''स्कॉच गोल्ड अवार्ड'' और राष्ट्रीय स्तर पर एलेट्स इनोवेशन अवार्ड'' भी मिल चुका है।

कॉफी प्वाइंट के पास तेंदुआ दिखने से दहशत, पुलिस की टीम ने मोबाइल में किया कैद

कोरबा। कोरबा के बालको में कॉफी प्वाइंट के पास तेंदुआ दिखने से क्षेत्र में दहशत फैल गई है। एक इवेंट से लौटते समय खुद डॉयल 112 की टीम ने अपने मोबाइल में तेंदुआ को कैद किया है। बताया जा रहा है कि वीडियो में दिख रहा तेंदुआ अभी शावक है। वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

कोरबा और कटघोरा वन मंडल में कुछ माह पहले भी तेंदुआ दिखा था। उस समय तेंदुआ ने मवेशियों को शिकार बनाया था। वहीं, अब बालको के कॉफी प्वाइंट के पास तेंदुआ दिखने से लोगों में एक बार फिर से दहशत है। जो वीडियो सामने आया है उसमें शावक झाड़ियों के बीच में बैठा दिख रहा है। वन अफसरों ने मामले की जानकारी होते ही एक टीम को मौके पर रवाना किया है।

ट्विटर का बायो अपडेट, लिखा 'अयोग्य सांसद' कांग्रेस का राजघाट पर सत्याग्रह

नई दिल्ली (एजेंसी)। सूरत की अदालत से दो साल की सजा और फिर लोकसभा की सदस्यता रद्द होने के बाद से कांग्रेस नेता राहुल गांधी भाजपा सरकार पर हमलावर हैं। आज राहुल के समर्थन में देशभर में कांग्रेस कार्यकर्ता सत्याग्रह कर रहे हैं। इस बीच, राहुल गांधी ने भी अनोखे अंदाज में अपना विरोध दर्ज किया। राहुल ने अपना ट्विटर अकाउंट का बायो अपडेट किया है। मतलब ट्विटर पर खुद की दी गई जानकारी को राहुल ने बदला है। इसमें उन्होंने खुद को अयोग्य सांसद लिख दिया है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहराए जाने के बाद शनिवार को कहा कि वह लोकतंत्र की लड़ाई लड़ रहे हैं और डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय जनता पार्टी अडाणी समूह से जुड़े सवालों से ध्यान भटकाने के लिए उन पर ओबीसी समुदाय के अपमान का आरोप लगा रही है। उन्होंने कहा कि वह सावरकर नहीं हैं जो माफी मांग लेंगे। विपक्षी एकता के मुद्दे पर राहुल ने कहा कि मेरा समर्थन करने के लिए मैं सभी विपक्षी दलों का आभार व्यक्त करता हूं, हम सभी मिलकर काम करेंगे। सरकार द्वारा घबराहट में की जा रही कार्रवाई से विपक्ष को फायदा मिलेगा।

राहुल ने कहा, ''मुझे अयोग्य ठहराया गया, क्योंकि प्रधानमंत्री मेरे

अगले भाषण से डरे हुए थे जो अदाणी पर होने वाला था। मैंने उनकी आखों में यह डर देखा है।'' उन्होंने कहा कि मुझे सदस्यता मिले या नहीं मिले। मुझे स्थायी रूप से अयोग्य ठहरा दें, मुझे फर्क नहीं पड़ता कि संसद के अदंर रहूं या नहीं रहूं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष का कहना था।

बिना पुलिस मंजूरी के कांग्रेस का सत्याग्रह प्रियंका ने साधा भाजपा पर निशाना

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द होने और सूरत की अदालत द्वारा दो साल की सजा सुनाए जाने के खिलाफ कांग्रेस ने आज दिल्ली स्थित राजघाट पर सत्याग्रह का आयोजन किया है। प्रियंका गांधी ने आगे कहा, मेरे शहीद पिता का अपमान संसद में किया जाता है। शहीद के बेटे का अपमान किया जाता है उन्हें मीर जाफर कहा जाता है। मेरी मां का अपमान किया जाता है। आपके मंत्री कहते हैं कि इनके पिता कौन हैं? आपके प्रधानमंत्री गांधी परिवार के लिए कहते हैं कि ये नेहरू उपनाम का इस्तेमाल क्यों नहीं करते? आप पर तो कोई केस नहीं होता, आपकी सदस्यता रद्द नहीं होती।

प्रियंका ने राजघाट पर भीड़ को किया संबोधित

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भी राजघाट पर जुटी भीड़ को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि अहंकारी, तानाशाह जब जवाब नहीं दे पाते तो पूरी सत्ता को लेकर जनता को दबाने की कोशिश करते हैं। आपने कभी सोचा है ये पूरी सरकार एक आदमी को बचाने की इतनी कोशिश क्यों कर रही है? इस अडानी में है क्या कि आप इसे देश की सारी संपत्ति दे रहे हैं। ये अदाणी है कौन कि इनका नाम सुनते ही आप बौखला जाते हैं? प्रियंका ने परिवारवाद के मुद्दे पर भाजपा को घेरते हुए कहा, आप परिवारवादी कहते हैं तो भगवान राम कौन थे? क्या वो परिवारवादी थे? क्या पांडव परिवारवादी थे? और हमें क्या शर्म आनी चाहिए कि हमारे परिवार के सदस्य इस देश के लिए शहीद हुए?

इसरो की बड़ी उपलब्धि

वनवेब इंडिया-2 मिशन के तहत 36 उपग्रहों को सफलतापूर्वक लॉन्च किया

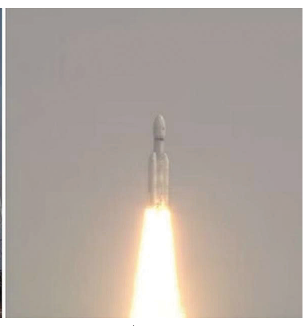

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के साथ मिलकर लो-अर्थ ऑर्बिट सैटेलाइट संचार कंपनी वनवेब रविवार को 36 सैटेलाइटों को सफलतापूर्वक लॉन्च कर दिया। यह अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इसरो ने शनिवार को बताया कि वनवेब इंडिया -2 मिशन के जरिए 36 सैटेलाइटों के लॉन्च के लिए उलटी गिनती शुरू हो गई है।

इन सैटेलाइटों को 26 मार्च की सुबह 9 बजे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया गया। गौरतलब है कि कुल 643 टन वजनी और 43.5 मीटर लंबा यह प्रक्षेपण यान इसरो का सबसे भारी प्रक्षेपण यान है जो अब तक पांच सफल उड़ानें पूरी कर चुका है, जिसमें चंद्रयान-2 मिशन भी शामिल है। ये 36 उपग्रह 5805 टन वजन के हैं।

इसरो ने बताया कि मौजूदा मिशन एलवीएम3-एम3, न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) का दूसरा समर्पित वाणिज्यिक उपग्रह मिशन है, जिसे उसके ग्राहक ब्रिटिश कंपनी मैसर्स नेटवर्क एक्सेस एसोसिएट्स लिमिटेड (मैसर्स वन वेब) के लिए चलाया जा रहा है। एलवीएम -3 इसरो के सबसे भारी प्रक्षेपण यान जीएसएलवीएमके -3 का ही नया नाम है जो सबसे भारी उपग्रहों को निश्चित कक्षा में प्रक्षेपित करने की क्षमता रखता है।

क्या है वनवेब?

वनवेब सैटेलाइट की बात करें तो यह यूके की संचार कंपनी है। इसमे ब्रिटेन की सरकार के साथ, भारत की भारतीय इंटरप्राइजेज, फ्रांस की यूटेलसैट, जापान की सॉफ्टबैंक, अमेरिका की ह्यूज्य नेटवर्क्स और दक्षिण कोरिया की हनव्हा बड़ी साझेदार हैं। इसका मुख्यालय लंदन में है। इस कंपनी का उद्देश्य दुनियाभर में बेहतर ब्रॉडबैंड सेवा को मुहैया कराना है।

सबसे बड़े ऑर्डर में से एक

वनवेब ने इसरो के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत 36 उपग्रहों को 26 मार्च को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित किया गया है। पिछले साल भी इसरो ने कंपनी के 36 सैटेलाइट को स्थापित किया था। कुल 72 सैटेलाइट को लॉन्च करने का करार हुआ है। इसके लिए कुल 1000 करोड़ रुपए से ज्यादा की लॉन्च फीस ली जा रही है। यह इसरो के सबसे बड़े ऑर्डर में से एक है।

बढ़ी नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल के बेटे की मुश्किलें, दुष्कर्म केस में पलाश की जमानत याचिका खारिज

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर चांपा। छत्तीसगढ़ विधानसभा नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल के बेटे पलाश चंदेल को जिला न्यायालय ने बड़ा झटका दिया है। दुष्कर्म के आरोपी पलाश चंदेल की अग्रिम जमानत याचिका को कोर्ट ने खारिज कर दिया है। जिला न्यायालय में अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर की गई थी जिसे विशेष न्यायाधीश जांजगीर खिलावन राम रिगरी ने अग्रिम जमानत याचिका को शनिवार को खारिज किया है।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल के बेटे पलाश चंदेल पर एक आदिवासी युवती ने दुष्कर्म का केस दर्ज कराया है। युवती ने रायपुर की महिला थाने में शिकायत की है कि उसके साथ जांजगीर चांपा निवासी पलाश चंदेल पिता नारायण चंदेल नाम के युवक ने दुष्कर्म किया है और जब वह गर्भवती हो गई तो गर्भपात भी कराया है। युवती की शिकायत पर पुलिस ने पलाश के खिलाफ दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है।

शिकायत करने वाली महिला सरकारी नौकरी करती है। उसने बताया कि वर्ष 2018 में फेसबुक के माध्यम से पलाश चंदेल से उसे संपर्क हुआ था। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि पलाश ने उसे शादी का प्रस्ताव दिया और शादी करने के नाम पर लंबे समय से उसका शारीरिक शोषण करता रहा।

जब हर धर्म की महिलाओं की तकलीफ एक, तो कानून अलग-अलग क्यों-एनसीडब्ल्यू अध्यक्ष रेखा शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

जीपीएम। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने महिलाओं के लिए एक विधान, एक संविधान की मांग की है। उन्होंने मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब हर धर्म की महिलाओं की तकलीफें एक हैं, तो कानून अलग-अलग क्यों हैं? मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की वजह से महिला आयोग मुस्लिम महिलाओं की समस्याओं को नहीं सुन पाता है। वहीं उन्होंने यह भी कहा कि, कोरोना काल के बाद छत्तीसगढ़, झारखंड और पश्चिम बंगाल से महिलाओं व बच्चियों की तस्करी बढ़ गई है। इसे देखते हुए पहली बार आयोग ने एंटी ट्रैफिकिंग सेल बनाया है।

महिलाओं से संबंधित सभी कानून एक जैसे होने चाहिए

छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही (जीपीएम) जिले में शनिवार को हुए आदिवासी जागरूकता महिला सम्मेलन में शामिल होने पहुंचे NCW की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने कहा कि, महिलाओं से संबंधित सभी कानून एक जैसे होने चाहिए। महिलाएं चाहे किसी भी धर्म की हों, सभी की तकलीफ एक जैसी है। जब हमारी तकलीफ एक है, तो कानून अलग-अलग क्यों हैं। उन्होंने कहा कि, यह बात सरकार के संज्ञान में भी लाए हैं और अलग-अलग फोरम में भी उठाते रहे हैं। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड में मुस्लिम महिलाओं की समस्याएं उठाए जाने को लेकर रेखा आर्या से सवाल पूछा गया था।

काम दिलाने के बहाने हो रही तस्करी

एनसीडब्ल्यू अध्यक्ष ने कहा कि, छत्तीसगढ़, झारखंड और पश्चिम बंगाल से महिलाओं व बच्चियों की तस्करी बढ़ी है। कोरोना काल के बाद जब लोगों की आय घटी है तो महिलाएं और बच्चियां बेची गईं। उन्होंने कहा कि, आदिवासी महिलाओं को शहरों में काम दिलाने के नाम पर ले जाया जाता है। वहां जब उन्हें काम नहीं मिलता तो उनके साथ गलत चीजें होती हैं। इससे बचने के लिए महिला आयोग ने एंटी ट्रैफिकिंग सेल बनाया है, जो पहले नहीं था। इसके साथ ही देशभर में वे जगह जिन्हें तस्करी का सोर्स कहा जाता है, वहां आयोग जल्द ही जागरूकता अभियान चलाने जा रहा है।

3,300 करोड़ का घोटाला, सीईडी ने किया आईएएस अधिकारी के पति को गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की आईएएस अफसर अपर्णा यू के पति जीबीएस भास्कर को करीब 3,300 करोड़ के घोटाले मामले में आंध्र प्रदेश सीआईडी की टीम नोएडा से गिरफ्तार कर ले गई। भास्कर को आंध्र पुलिस 16 मार्च को गिरफ्तार कर तीन दिन की ट्रांजिट रिमांड पर हैदराबाद ले गई। भास्कर पर सरकारी योजना में फर्जीवाड़ा कर धन जुटाने का आरोप है। घोटाले के वक्त अपर्णा यू प्रतिनियुक्ति पर थीं आंध्र के कौशल विकास विभाग में तैनात थीं। उस समय कौशल विकास परियोजना के लिए सीमेंस इंडस्ट्री सॉफ्टवेयर प्रा. लि से 58 करोड़ में सॉफ्टवेयर खरीदा गया था।

भास्कर तब कंपनी के नोएडा कार्यालय में कार्यरत थे। आरोप के अनुसार, दस्तावेज फर्जीवाड़ा कर सॉफ्टवेयर की मनमानी कीमत दर्ज कर दी गई। तत्कालीन आंध्र सरकार ने प्रोजेक्ट की 10 फीसदी राशि और टैक्स मिलाकर करीब 371 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया था। अपर्णा यू अभी यूपी में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की निदेशक हैं।

सीआईडी ने फिर दी दबिश

करीब 3300 करोड़ के घोटाले के मामले में आईएएस अपर्णा यू के पति जीबीएस भास्कर की नोएडा से गिरफ्तारी के बाद आंध्र प्रदेश सीआईडी की टीम ने शनिवार को एक बार फिर दबिश दी। सीआईडी के चार सदस्यीय टीम सेक्टर-50 आलोक विहार-1 स्थित आईएएस के फ्लैट पर पहुंची। जहां ताला लगा देखकर टीम लौट गई।

रॉकेट साइंस से पहले यह पढ़ाना जरूरी

श्रीकंचनपथ

खूब पढ़े लिखे लोग भी कैसी-कैसी हरकतें करते हैं, यह जानकर हैरानी होती है. महिला दिवस पर स्त्री रोग एवं प्रसूति विशेषज्ञ डॉ मानसी गुलाटी ने एक किस्सा सुनाया. एक दंपति पड़ोसी जिले से केवल प्रसव के लिए उनके पास आया। तीसरी संतान पेट में थी। पहले जहां-जहां प्रसव कराया, हर बार बेटी हुई। इसलिए इस बार दंपति यहां पहुंचा था। अफसोस कि इस बार भी बेटी ही हुई। बेटी के जन्म के लिए यह दंपति नर्सिंग होम को जिम्मेदार मान रहा था। बेटी जनने का ठीकरा बहू पर फोड़ने वाली सासों की कमी तो वैसे भी कभी अपने यहां रही नहीं। बेटियां जनने पर बहू को ससुराल से निकाले जाने, बेटियों की कोख में हत्या कर देने की घटनाएं भी अकसर सुनाई दे जाती हैं। हाल ही में एक ऐसी ही घटना सामने आई है। सामूहिक विवाह समारोह में फेरे लेने के बाद अंबिकापुर की एक बेटी दुर्ग आई थी। एक साल बाद उसने एक बेटी को जन्म दिया और फिर रहस्यमयी परिस्थितियों में उसकी जलने से मौत हो गई। पिता का आरोप है कि उनकी बेटी को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाता था। साथ ही बेटी ने जब एक कन्या को जन्म दिया तो वह पति और सास की आंखों की किरकिरी बन गई। दरअसल, देश में लोगों ने विज्ञान तो बहुत पढ़ा और पढ़ाया पर सोच को वैज्ञानिक नहीं कर पाए। करते भी कैसे? कोई चार दशक पहले सीबीएसई की पाठ्यपुस्तकों में यौन विज्ञान को शामिल किया गया था। इसमें किशोरवय में होने वाले शारीरिक परिवर्तनों के साथ ही गर्भ से जुड़ी सारगर्भित जानकारियां थीं। देश में इस पाठ पर जमकर बहस हुई और अंततः इसकी पढ़ाई पर रोक लग गई। आज भी जीव विज्ञान से इतर विषय वाले विद्यार्थियों को बेटा और बेटी तय करने वाले क्रोमोसोम्स के बारे में सतही जानकारी तक नहीं है। श्रुत परम्परा से ही इसका ज्ञान आगे बढ़ रहा है। श्रुत परम्परा कहती है कि विशेष मुहूर्त पर गर्भधारण करने से शर्तिया बेटा होता है। बाबाओं के पास बेटा पैदा करने के गंडे-ताबीज भी मिलते हैं। इसके बाद भी यदि कोख में बेटी आ गई तो इसका पूरा ठीकरा गर्भवती पर फोड़ दिया जाता है। माताएं बेटों की दूसरी शादी की बातें करने लगती हैं। गर्भधारण का एक पूरा विज्ञान है। आज गर्भस्थ शिशु को देखा और परखा जा सकता है। पर लोगों ने इसका भी बेजा इस्तेमाल शुरू कर दिया। हारकर सरकार को सोनोग्राफी सेन्टरों के लिए कड़े नियम कानून बनाने पड़े। काश रॉकेट साइंस के साथ ही थोड़ी जानकारी अपने और अपने शरीर के बारे में रखने को भी जरूरी समझा गया होता तो ये दिन न देखने पड़ते। देश की प्राचीन मूर्तियां और मंदिर गवाह हैं कि यौन संबंधों को सहज सामाजिक स्वीकार्यता था। बस्तर की घोटुल संस्कृति भी इसकी तसदीक करती है। वक्त आ गया है कि इस जरूरी विषय की शिक्षा अनिवार्य हो।

संपादकीय

लोकतांत्रिक असहिष्णुता

कहना कठिन है कि यह संयोग है या सुनियोजित पटकथा कि गुजरात की एक अदालत ने मानहानि मामले में राहुल गांधी के खिलाफ सज़ा तब सुनाई, जब ब्रिटेन में उनके भारतीय लोकतंत्र के बाबत दिये गये बयानों पर सत्तारूढ़ दल हमलावर बना हुआ है। राहुल पर न केवल सार्वजनिक मंचों से भाजपा नेताओं व मंत्रियों के हमले जारी थे, बल्कि संसद की कार्यवाही भी लंबे समय तक उनके माफी मांगने के मुद्दे पर गतिरोध में फंसी रही है। अब लोकसभा सचिवालय द्वारा शुक्रवार को जारी एक पत्र में राहुल गांधी की संसद सदस्यता भी रद्द कर दी गई है। बहरहाल, वर्ष 2019 में कर्नाटक की एक सभा में मोदी सरनेम को लेकर दिये गये कथित विवादास्पद बयान के बाबत सूरत कोर्ट में दर्ज मानहानि केस में गुरुवार को दो साल की सज़ा सुनाये जाने तथा शुक्रवार को उनकी सदस्यता रद्द करने को विपक्ष राजनीतिक बदले की कार्रवाई बता रहा है। इसमें दो राय नहीं जब देश में बिखरा विपक्ष सत्ता की महत्वाकांक्षाओं को लेकर एकजुट नहीं हो पाया है तो ऐसे में राहुल गांधी ही भारी बहुमत से सत्ता में आई राजग सरकार से हर मामले में मोर्चा लेते रहे हैं। कहीं न कहीं भाजपा अपने कांग्रेस मुक्त भारत के एजेंडे को अमलीजामा पहनाने की कवायद में जुटी नजर आती है। लेकिन यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि राहुल गांधी न केवल सड़क बल्कि संसद में भी केंद्र की रीति-नीतियों को लेकर आक्रामक प्रतिरोध दर्ज कराते रहे हैं। पिछले दिनों कन्याकुमारी से कश्मीर तक की उनकी पदयात्रा को पूरे देश में सकारात्मक प्रतिसाद मिला था। वे विभिन्न मंचों व स्थानों से लगातार प्रधानमंत्री और उनकी पार्टी पर हमलावर रहे हैं। निस्संदेह, लोकतंत्र में सशक्त विपक्ष अनिवार्य शर्त है। मुखर विपक्ष एक मार्गदर्शक और सचेतक का काम करता है। वह सत्तापक्ष को निरंकुश व्यवहार करने से रोकता है। किसी भी देश में सशक्त विपक्ष लोकतंत्र की खूबसूरती को दर्शाता है। सही मायनों में लोकतंत्र राजतंत्र, कुलीनतंत्र और किसी व्यक्ति केंद्रित शासन के विपरीत सहभागिता-सहयोग का पक्षधर होता है। निस्संदेह, भारत जैसे विविध संस्कृति और धर्मों के देश में उदार लोकतंत्र की कल्पना हमारे संविधान निर्माताओं ने की है। आज़ादी के बाद कई दशकों तक भारतीय लोकतंत्र उसी राह पर चला। आपातकाल के अलावा भी आज़ादी के बाद देश की राजनीति में वर्चस्व के चलते कांग्रेस सरकारों के दौरान भी विपक्ष को दबाने तथा सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग के मामले जब-तब प्रकाश में आते रहे। हाल के दिनों में राजग सरकार में विपक्षी दलों के नेताओं की घेराबंदी के लिये जिस तरह आयकर विभाग, ईडी तथा सीबीआई का इस्तेमाल किया गया, उसे लोकतंत्र के लिये अच्छा संकेत कभी नहीं कहा जा सकता। सवाल उठाये जाते रहे हैं कि भाजपा शासित राज्यों के नेताओं के खिलाफये सरकारी एजेंसियां कार्रवाई क्यों नहीं करतीं? दूसरे दलों से आये दागी नेता भाजपा व अन्य सहयोगी दलों में आने पर दूध के धुले कैसे हो जाते हैं? राहुल गांधी व कांग्रेस को घेरने के लिये भी नेशनल हेराल्ड प्रकरण में छापेमारी चलती रही है। यह जानते हुए कि पार्टी के मुखपत्र नेशनल हेराल्ड के जरिये पार्टी अपने आर्थिक हितों का पोषण करती रही है, फिर भी उसे निशाने पर लगातार लिया जाता रहा है। बहरहाल, मानहानि मामले में राहुल गांधी को सज़ा और उनकी सदस्यता खत्म करने का मामला अगले कुछ समय तक तीखे राजनीतिक विमर्श का मुद्दा बनेगा। निस्संदेह, कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर कुछ राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव व अगले साल होने वाले महासमर के चुनावों तक जायेगी। पार्टी राहुल गांधी को पीड़ित के रूप में जनता की चौखट तक ले जायेगी क्योंकि पार्टी को पता है देश की जनता के फैसलों की सहानुभूति जब-तब वोटों में तब्दील होती है। बहरहाल, इस प्रकरण से विपक्ष को भी सबक मिलेगा कि एकजुटता के साथ भाजपा व नरेंद्र मोदी का मुकाबला किया जा सकता है। कयास लगाये जा रहे हैं कि आने वाले दिनों में देश में विपक्ष को एकजुट करने के अभियान में तेजी आयेगी।

> “ आज़ादी के बाद कई दशकों तक भारतीय लोकतंत्र उसी राह पर चला। आपातकाल के अलावा भी आज़ादी के बाद देश की राजनीति में वर्चस्व के चलते कांग्रेस सरकारों के दौरान भी विपक्ष को दबाने तथा सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग के मामले जब-तब प्रकाश में आते रहे। हाल के दिनों में राजग सरकार में विपक्षी दलों के नेताओं की घेराबंदी के लिये जिस तरह आयकर विभाग, ईडी तथा सीबीआई का इस्तेमाल किया गया, उसे लोकतंत्र के लिये अच्छा संकेत कभी नहीं कहा जा सकता।

सामयिक : बजट और राष्ट्रवादी विमर्श

आज सूचना के तमाम माध्यम इस लॉन्चिंग सिंड्रोम या फिनोमेना के शिकार हैं। यही कारण है कि सरकारों की नीति, राजनेताओं के वक्तव्य सब आज इंस्टेंट वेल्यू के साथ परोसे जा रहे हैं। आज हमारा कालबोध इतना इकहरा हो गया है कि हम किसी बात के संदर्भ को उसके उत्स और विकास प्रक्रिया के साथ देखना या तो भूल गए हैं, या फिर इसे गैर-जरूरी मान बैठे हैं। देश में बजट का मौसम चल रहा है। केंद्र और राज्यों के बजट प्रस्तावों के इर्द-गिर्द जो चर्चा इन दिनों चल रही है, उसका कंपास एक बार फिर तात्कालिकता के जोर पर ही तय हो रहा है। विचार के नाम पर बजट प्रस्तावों के विश्लेषण भर सामने आ रहे हैं, और इसी के साथ सामने आ रहा है फौरी अर्थबोध का कमजोर मानसिक ढांचा। इस बीच, जो बात उभर कर सामने आ रही है, वह यह कि बजट और सरकारों की आर्थिक प्राथमिकता अब ज्यादा केंद्रीय हैं। इस बात का महत्त्व इस अर्थ में समझना जरूरी है कि राजनीतिक विचार और वक्तव्यों के आधार मात्र पर हम सरकारों की कार्यनीति को समझने की भूल करेंगे तो बड़ी गलती होगी। तुर्रा यह कि राजनीतिक द्वेष, विरोध और प्रतिद्वंद्विता से अलग बजटीय विमर्श को जो कुछ केंद्रीय शब्द-पद चुंबकीय आकषर्ण और नियामकीय अनुशासन दे रहे हैं, वे कमोबेश एक से हैं। अगर इनके बीच कोई फर्क है तो वह यह कि इस आकषर्ण और अनुशासन के पीछे का मानस और प्रतिबद्धता कितना सघन या लचर है। केंद्रीय बजट के राष्टीय महत्त्व से आगे आज देश के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश के सालाना बजट प्रस्तावों की चर्चा हो रही है तो इसलिए कि विकास और उदारीकरण के दौर के जो पहिए रास्ते में कहीं थक गए थे, वे फिर से रफ्तार भर रहे हैं। अर्थ और विकास का समावेशी तकाजा आज सर्वसमावेशी दरकार से जुड़े पैकेजिंग तक पहुंच गया है। इसी तरह गांव और शहर के बीच फासला कम करने के लिए तमाम प्रस्ताव लाए जा रहे हैं, जिनमें किसानों, पशुपालकों, महिलाओं को लेकर ही नहीं, अलग-अलग वगरे और श्रमिक तबकों के लिए घोषणाओं का तकरीबन अंबार खड़ा किया गया है। अंग्रेजी का एक अखबार जब उत्तर प्रदेश सरकार के सालाना बजट पर लिखता है कि संयुक्त राष्ट्र ने सतत विकास के लिए जब 'लीव नो वन बिहाइंड' का लक्ष्य सामने रखा होगा तब शायद किसी के ध्यान में नहीं आया होगा कि यह विकास के नवउदारवादी दौर का नया मार्गदशर्क सिद्धांत भी बन जाएगा। दिलचस्प यह कि इस सिद्धांत को अपने आर्थिक नवाचार और प्राथमिकता में उतारने में जो सबसे आगे है, वह देश का ऐसा राज्य है जिसके बारे में विमर्श के हमारे कीर्वड्स आज भी जाति, वर्ग और सामाजिक विभेद ही हैं। संभव है कि राजनीतिक समझ और विमर्श का यह बहुप्रचारित पिछड़ापन इस सूबे को अर्थ और विकास के नये देशकाल को रचने में मददगार भी साबित हो रहे हों। ऐसा नहीं होता तो फिर वहां योगी आदित्यनाथ की सरकार दोबारा चुनकर नहीं आती क्योंकि सामाजिक गठजोड़ के बूते उन्हें घेरने की कोशिश पिछले विधानसभा चुनाव में खूब हुई थी। आज अगर केंद्र की मोदी सरकार को इस बात का श्रेय है कि उन्होंने देश में मतदाताओं की सबसे बड़ी गोलबंदी को लाभार्थी समाज के रूप में नई और कारगर शक्ल दी है, तो एक श्रेय योगी आदित्यनाथ की सरकार को भी जाता है कि केसरिया रंग में उनकी राजनीति से ज्यादा गहरी है उनकी विकासवादी दृढ़ता।

> “ ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद के चार दशक दिनोंदिन पनपते अमन-ओ-अमान के थे, पर तलछट में बीते हुए बरसों की कसैली कसमसाहट मौजूद थी। कुछ गुरुद्वारों में तब टंगे भिंडरावाले के फोटो आज तक यथावत हैं। इंदिरा गांधी के हत्यारों को शहीद के तौर पर स्थापित करने की कोशिश हुई, पर पंजाब के आम जन ने इससे खास वास्ता नहीं रखा। उधर परदेस में पुराने शोलों को हवा देने वाले अपने कौल पर कायम थे।

अमृतपाल और पंजाब के पेच

शशि शेखर

हम ऐसे दौर से गुजर रहे हैं, जहां अतीत की कब्रगाहों में दफ्न हादसों का इस्तेमाल भूल सुधार के लिए नहीं, बल्कि स्वार्थ सिद्धि के लिए किया जाता है। पंजाब के मौजूदा हालात इसका जीता-जागता उदाहरण हैं। जो लोग यह मानते हैं कि स्वयंभू खालिस्तान संग्रामी अमृतपाल पर कड़ी कानूनी कार्रवाई से सब कुछ ठीक हो जाएगा, वे मुगालते में हैं। गिरफ्तारियां अक्सर अलगाववादियों के लिए 'अमृत' सरीखी साबित होती हैं।

अपनी बात समझाने के लिए मैं आपको 1970 के दशक के उत्तरार्द्ध में ले चलना चाहूंगा। दमदमी टकसाल से ताल्लुक रखने वाले एक अक्खड़ सिख प्रचारक को अचानक जननायक बनाने की कोशिशें की जाने लगी थीं। पंजाब में विभिन्न दलों के स्थापित राजनेताओं को बिका हुआ साबित करने की मुहिम इस रणनीति का एक हिस्सा थी। समूचे देश में उस समय मोह-भंग का दौर था। बेरोजगार नौजवानों को लगता था कि हमारी आजादी बेमानी है। सलीम-जावेद ने इसका लाभ उठाते हुए एक पिटे हुए हीरो को महान विद्रोही की तरह पेश करने में सफलता अर्जित कर ली थी। अमिताभ बच्चन भग्न स्वप्नों वाली पीढ़ी के चहेते नायक के रूप में उभरे थे। पंजाब की धार्मिक राजनीति में परिवर्तित संदर्भों में बगावती भूमिका भिंडरावाले के लिए रची जा रही थी।

जो लोग इस मसले को तवज्जो नहीं दे रहे थे, उन्हें इस सियासी पटकथा की कसावट का अंदाज नहीं था। भिंडरावाले सीढ़ी-दर-सीढ़ी सामान्य प्रचारक से 'संत' और संत से बगावत का अगुवा अनायास ही नहीं बना था। इससे किन राजनेताओं का फायदा हुआ या किनका नुकसान, उस पर बात करना वक्त की बरबादी होगी। इस पर बहुत कुछ लिखा-कहा जा चुका है। निस्संदेह, वह भारतीय संप्रभुता पर देश के अंदर से उपजा अब तक का सबसे खतरनाक हमला था। यह पंजाब, पंजाबियों और सिखों की ही कुव्वत है कि उन्होंने चौतरफा चोट खाने के बावजूद देश की मुख्यधारा से खुद को अलग नहीं होने दिया।

'ऑपरेशन ब्लू स्टार' के बाद के चार दशक दिनोंदिन पनपते अमन-ओ-अमान के थे, पर तलछट में बीते हुए बरसों की कसैली कसमसाहट मौजूद थी। कुछ गुरुद्वारों में तब टंगे भिंडरावाले के फोटो आज तक यथावत हैं। इंदिरा गांधी के हत्यारों को शहीद के तौर पर स्थापित करने की कोशिश हुई, पर पंजाब के आम जन ने इससे खास वास्ता नहीं रखा। उधर परदेस में पुराने शोलों को हवा देने वाले अपने कौल पर कायम थे। बहुत से अलगाववादी 1970 के अंत और 1980 की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, जर्मनी, इंग्लैंड, अमेरिका अथवा पूर्वी यूरोप के कुछ देशों में पनाह पाने में सफल रहे थे। वे इस बबूल की शाखें वहां भी रोपते रहे। नतीजा सामने है। पिछले कुछ हफ्तों से पश्चिम के तमाम देशों में हिंदू मंदिरों अथवा भारतीय भवनों पर आक्रमण हो रहे हैं।

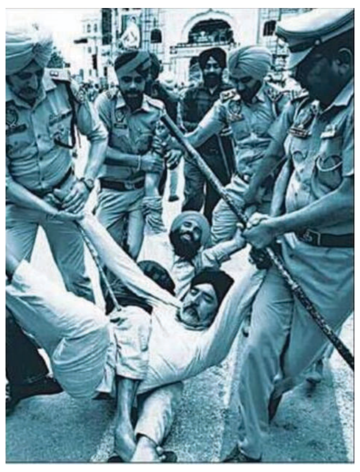

उन्हें रोकने की जिम्मेदारी संबंधित मुल्कों की है, पर वे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर वांछित कार्रवाई करने से कतरा रहे हैं। यह पश्चिम का पुराना दोमुंहापन है। आज अगर आईएस समर्थक ऐसा प्रदर्शन कर रहे होते, तब भी क्या उनका यही रुख होता? ग्वांतानामो बे और अबू गरीब जैसे यातनागृहों के संचालक चुप क्यों हैं? ये वही लोग हैं, जो व्लादिमीर पुतिन को युद्ध अपराधी घोषित करने पर आमादा हैं, मगर इनके लिए इराक पर हमला कर साढ़े चार लाख लोगों को मार देने वाले बुश पिता-पुत्र जननायक हैं।

यकीनन, विदेश मंत्रालय के समक्ष एक बार फिर परीक्षा का अवसर आ खड़ा हुआ है। उम्मीद है, सजग और सतर्क एस जयशंकर वह भूल नहीं करेंगे, जो कभी उनके पूर्ववर्तियों ने की थी। जिस तरह रूस से तेल खरीदने के मामले में भारत ने दोहरा रवैया अपनाने वाले पश्चिम के सत्तानायकों को पानी पिलाया, वैसा ही इस मामले में भी करना होगा। यह मुद्दा किसी भी अन्य मसले से अधिक पेचीदा और खतरनाक है।

विगत में विदेश नीति के नियंताओं की तरह चंडीगढ़ और दिल्ली के सत्तानायकों ने भी कुछ गलतियां कीं। जालंधर क्षेत्र के डीआईजी अवतार सिंह अटवाल को 25 अप्रैल, 1983 को मारकर स्वर्ण मंदिर की सीढ़ियों पर फेंक दिया गया था। जब उन पर प्राणघातक हमला हुआ, तब वह वर्दी में थे। इसके बावजूद उनका शव घंटों लावारिस स्थिति में पड़ा रहा। पंजाब को 'कवर' कर रहे तमाम पत्रकारों ने बाद में बारंबार लिखा कि यदि पंजाब पुलिस को अर्द्धसैनिक बलों के साथ तत्काल कार्रवाई करने के लिए प्रेरित किया गया होता, तो हम ऑपरेशन ब्लू स्टार से बच सकते थे।

कहीं चंडीगढ़ के सत्तानायक आज वही गलती तो नहीं दोहरा रहे हैं?

लाल किला कांड के खलनायक दीप सिद्धू की मौत के बाद यकायक पंजाब आ धमके अमृतपाल की लोकप्रियता रातोंरात बढ़ी है। वहां का गृह विभाग उस पर उसी समय नकेल कस देता, तो ऐसे हालात पैदा नहीं होते। समुचित कार्रवाई के अभाव में वह लगातार आक्रामक होता गया। पिछली 24 फरवरी को उसने पूर्व चेतावनी को अमलीजामा पहनाते हुए न केवल अजनाला थाने को घेर लिया था, बल्कि अपने साथी लवप्रीत सिंह तूफान को छुड़वाने में कामयाबी भी हासिल कर ली। पंजाब पुलिस को 1970 और 80 के दशक में भी ऐसे ही आत्मसमर्पण के लिए लगातार विवश किया गया था। नतीजतन, इस जागृत सूबे को अपने ही रक्त से नहाना पड़ा। यदि इस कार्रवाई की चेतावनी देते ही अमृतपाल की घेराबंदी हो गई होती, तो उसे देश-दुनिया में अपना नाम चमकाने को मौका नहीं मिलता। अजनाला कांड ने उसकी राष्ट्र-विरोधी बकवास को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में तब्दील कर दिया।

एक और बात। 1970 के दशक के अंतिम वर्षों में पंजाब के पुराने राजनेता ढलान पर थे। तमाम अति-महत्वाकांक्षी युवा हर हाल में उनकी हैसियत हासिल करने पर आमादा थे। आज पंजाब के सियासी हालात उससे भी खराब हैं। प्रकाश सिंह बादल की अगुवाई वाला अकाली दल अपनी आब खो चुका है। कांग्रेस में कोई धार नहीं रह बची है। भारतीय जनता पार्टी वहां अपना अलग आधार बनाने में अभी तक कामयाब नहीं हुई है। सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी न केवल नई है, बल्कि उसे अपना सैद्धांतिक आधार अवाम के बीच मजबूत करना है। इसी तरह, किसी भी दल में अभी ऐसा कोई कद्दावर नेता मौजूद नहीं है, जो अवाम को सही राह पर चलने की प्रेरणा दे सके। अलगाववादियों के लिए ऐसे हालात आदर्श साबित होते हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा छोड़ी गई संगरूर सीट पर हुए उपचुनाव में अलगाववादियों के अगुवा सिमरनजीत सिंह मान की जीत इसका उदाहरण है।

ध्यान रहे, पंजाब के मौजूदा हालात को सिर्फ विधि-व्यवस्था का मामला मान बैठना गलती होगी। इस समस्या की जड़ें समाज और सियासत से जुड़ी हुई हैं। हमारे सत्तानायक भूलें नहीं कि उन्हें मर्ज को खत्म करना है, मरीज को नहीं।

पूर्वोत्तर में लापता बच्चियों का पता ढूंढ़ती युवती

पल्लबी घोष, मानवाधिकार कार्यकर्ता

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो बताता है कि हर साल हमारे देश में हजारों बच्चे लापता हो जाते हैं। इस संगठन के मुताबिक, अकेले 2021 में 77,315 बच्चे गायब हो गए। क्या आप जानते हैं, वे कहां गए? उन्हें कौन ले गया? इन सवालों से पीड़ित परिजनों के अलावा किसी को क्या मतलब? नहीं! कुछ लोग हैं, जिन्होंने देश और समाज को यह बताने-जताने का बीड़ा उठाया है कि हमें फर्क पड़ना चाहिए। एक सभ्य समाज के तौर पर भी, और इंसाफ पसंद मुल्क के रूप में भी हमें अपने बच्चों के साथ होने वाले जुल्म के प्रति संजीदा होना चाहिए। पल्लबी घोष उन्हीं संवेदनशील लोगों में से एक हैं।

आज से करीब 32 साल पहले असम के एक छोटे-से शहर लामडिंग में पल्लबी पैदा हुईं। वहीं पर उनकी स्कूली शिक्षा हुई। उनके एक चाचा तब पश्चिम बंगाल में रहा करते थे। हर साल गरमियों की अपनी छुट्टियां पल्लबी वहीं बिताया करती थीं। पूरे साल उन्हें इन छुट्टियों का इंतजार रहा करता था। विडंबना देखिए, आज महानगरों से उकताए हुए लोग गांवों-कस्बों की ओर भाग जाना चाहते हैं, तब बड़े शहरों का चाकचिक्य छोटे कस्बों के लोगों के लिए किसी जादू से कम न होता था। वे उनके आकर्षण का शिकार हो जाते थे।

साल 2003 की बात है। गरमी की छुट्टियां बिताने पल्लबी 24 परगना स्थित अपने चाचा के गांव पहुंची थीं। एक दिन पचास साल का बदहवास पिता अपनी बेटी को तलाशता हुआ उनसे आ टकराया था। तब पल्लबी की उम्र महज 12 साल थी, और जिस बच्ची को तलाशा जा रहा था, वह भी लगभग इसी वय की थी। पल्लबी को समझ में नहीं आ रहा था कि उनकी उम्र की लड़की आखिर एक गांव में कैसे गुम हो सकती है? तब उन्हें कहां पता था कि इंसान की खोल में भेड़िए गांव में भी घुस आते हैं! जब उन्हें पूरी बात पता चली, तो वह स्तब्ध रह गईं। मन में कई सवाल उमड़ आए थे। लोग अपने बच्चों का ख्याल क्यों नहीं रखते? इन बच्चों को कोई क्यों उठा ले जाता है? क्या वे कभी अपनों के पास फिर लौट पाते हैं? चंद रोज ही बीते होंगे, एक बच्चे ने पल्लबी को बताया कि कोई भैया यामाहा मोटरसाइकिल से आते हैं और अपने साथ लड़कियों को ले जाते हैं।

इस घटना के दो हफ्ते बाद ही पल्लबी की छुट्टियां खत्म हो गई थीं और वह लामडिंग लौट आईं। मगर वह तड़प उनके जेहन में नक्श हो चुकी थी। बिलखते पिता का चेहरा अक्सर दिमाग में कौंध जाया करता। नतीजा यह हुआ कि उसी उम्र से पल्लबी ने मानव-तस्करी को समझना शुरू कर दिया। वह अपने आस-पास से गायब हुई लड़कियों के माता-पिता और दोस्तों से मिलीं, पर किसी के पास इस सवाल का कोई माकूल जवाब न था कि उनके बच्चों या दोस्तों के साथ क्या हुआ?

पल्लबी के घर के पास ही एक पुलिस स्टेशन था। एक दिन वहां तैनात अधिकारी ने जब बताया कि ऐसे बच्चों से रेलवे स्टेशनों, चौराहों पर भीख मंगवाया जाता है, बच्चियों से वेश्यावृत्ति कराई जाती है, तो कोमल मन को गहरा आघात लगा। इस उद्घाटन के कुछ दिनों बाद ही गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर धारा-प्रवाह हिंदी बोल रहे बच्चों को देखकर वह चौंक गई थीं, क्योंकि अमूमन वहां बांग्ला में ही लोग संवाद करते थे। पल्लबी ने जब उनसे बात की, तो पता चला कि वे राजस्थान, बिहार में पैदा हुए थे। बहेलियों ने उन बच्चों को शहरी चकाचौंध और बेहतर जिंदगी का झांसा देकर बहलाया-फुसलाया था। मानव तस्करी की परतें खुलती जा रही थीं और इससे निपटने का इरादा भी ठोस आकार लेने लगा था।

साल 2012 में पल्लबी दिल्ली विश्वविद्यालय पढ़ने आ गईं। यहां एनएसएस से जुड़कर उन्होंने मानव-तस्करी के बारे में और गहराई से जाना। नोबेल विजेता कैलाश सत्यार्थी के साथ काम करते हुए वह इसके राष्ट्रीय स्वरूप से परिचित हुईं। एक दिन जब उनका संगठन दिल्ली में बचाव अभियान के लिए निकलने को तैयार था, टीम लीडर की सेहत अचानक बिगड़ गई, तब पल्लबी ने आगे बढ़कर इस मुक्ति अभियान के नेतृत्व का प्रस्ताव किया। वह मुहिम पूरी तरह कामयाब रही। उस दिन एक अजीब संतोष से भर उठी थीं पल्लबी। उन्होंने कई बच्चियों को एक नई उम्मीद जो लौटाई थी। पल्लबी को अब जैसे जिंदगी का मकसद मिल गया था।

मगर यह सब आसान नहीं था। उन पर चाकू से हमले भी हुए, और दिल्ली के तीस हजारी अदालत परिसर में जान से मारने की धमकी भी मिली, मगर पल्लबी खौफ को जीत चुकी थीं। चेन्नई से मास्टर्स की डिग्री हासिल करने के बाद वह मानव-तस्करी के विरुद्ध सक्रिय एक एनजीओ से जुड़ गईं। इसके साथ काम करते हुए उन्होंने महसूस किया कि बच्चों को इस दोजख से आजाद कराना ही काफी नहीं, उनके पुनर्वास की व्यवस्था भी उतनी ही अहम है।

शुरू-शुरू में जब वह पूर्वोत्तर के राज्यों में मानव तस्करी और तस्करों के बारे में लोगों को समझाने जातीं, तो लोग घर के दरवाजे बंद कर लेते थे। फिर पल्लबी ने अपना तरीका बदला। पूछताछ के बजाय उन्होंने संवाद का रास्ता चुना। इसी मकसद से साल 2020 में पल्लबी ने 'डायलॉग फाउंडेशन' की शुरुआत की। इस संस्था ने असम, पश्चिम बंगाल, भूटान व म्यांमार की कई लड़कियों को एक बेहतर जिंदगी मुहैया कराई है। थोड़े से अंतराल में ही उन्होंने इन राज्यों की 75,000 से अधिक महिलाओं के साथ संपर्क कायम किया और उन्हें मानव तस्करों से आगाह किया।

पिछले एक दशक में10 हजार से अधिक बच्चों-बच्चियों को पल्लबी ने नारकीय कैद से छुटकारा दिलाया है, जिनमें से कई मुख्यधारा में अहम भूमिका निभाने लगी हैं। एक लड़की तो बाकायदा मेडिकल की पढ़ाई कर रही है। पल्लबी के इस सफरनामे पर टीवी धारावाहिक तक बन चुका है, मगर उनका सफर मुसलसल जारी है, उन्हें तो मीलों आगे जाना है।

प्रस्तुति : चंद्रकांत सिंह

तुम्हें खुद के लिए खड़ा होना पड़ेगा

शांता रंगास्वामी, भारत की पहली क्रिकेट कप्तान

सब खेलों में उन्हें सबसे ज्यादा प्रिय क्रिकेट था। अपने आंगन, गली में ही जुगाड़ के बैट-बॉल से वो बहनें जलवा बिखेरती थीं। वाकई, हर परिवार एक टीम होता है, पर उस टीम में पापा नहीं थे, मजबूत मम्मी की कप्तानी में सात बहनें थीं और उन्हीं में एक क्रिकेट की गजब दीवानी थी। वह भी क्या दिन थे, गली क्रिकेट में कोई कमाल करने पर पेंसिल, रबर, शार्पनर से नवाजा जाता था। ऐसे इनाम मिलते गए और क्रिकेट में हाथ साफ होता गया। एक दिन आया, जब वह खूब लंबी हो गई। बाकी लड़कियों से ऊंची, मैदान में जब उतरती, तो लड़के 'भीम-भीम' बुलाते।

वह लड़की थी, तो उसके हिस्से खूब बोल-बोलियां आती थीं। तब मां ने एक बार समझाया था और बात हमेशा के लिए दिल से लग गई थी कि तुम्हें खुद के लिए खड़ा होना पड़ेगा। मां का यह वाक्य आगे खूब अंधेरी राहों पर टॉर्च की तरह काम करता गया। तब महिला क्रिकेट की कोई पूछ न थी, उस लड़की को पता था कि आगे जो भी करना है, अपने दम पर करना है और यहां लड़कियों को कब कुछ आसानी से हासिल हुआ है? अफसोस, लोग भूल गए कि क्रिकेट के विकास में लड़कियों का भी बड़ा योगदान है। लड़के पहले अंडरआर्म गेंदबाजी करते थे, पर खूब चौड़ी स्कर्ट के चलते लड़कियों को अंडरआर्म गेंद फेंकने में परेशानी होती थी, तब उन्होंने ऑवरआर्म गेंदबाजी की शुरुआत की और लड़कों ने देखकर अपना तरीका सुधारा।

खैर, क्रिकेट जब संगठित और आर्थिक रूप से सुदृढ़ हुआ, तब बाकी खेलों की तरह यहां भी पुरुष वर्चस्व हो गया। भारत में भी महिला क्रिकेट को मान्यता नहीं थी। 1970 के दशक में महिलाओं का क्रिकेट खेल संघ बना और 1973 में महिलाओं की पहली बड़ी अंतरराज्यीय क्रिकेट प्रतियोगिता में वह लंबी लड़की बेहतरीन हरफनमौला शांता रंगास्वामी के नाम से सामने आईं। दिक्कतों को धूल चटाने की आदत ने उन्हें भारतीय टीम का पहला कप्तान बना दिया। साहस, आत्मविश्वास से भरी, आक्रामक और हमेशा पहल के लिए तैयार लड़की को कुछ लोग जानने लगे, पर महिला क्रिकेट की राह में अपार रोड़े थे। न पैसा था, न संसाधन, न समर्थन, बस किसी तरह प्रतियोगिताएं आयोजित हो जाती थीं और मैदान के बाहर कदम रखते ही लड़कियों को अपने हाल पर छोड़ दिया जाता था। शांता यह जानती थीं कि लोग जब महिला क्रिकेट देखना शुरू करेंगे, तभी दिन बहुरेंगे, पर पुरुषों का सशक्त क्रिकेट संघ महिला क्रिकेट पर एक नजर भी नहीं डालता था। तब कैसे हो सुनवाई?

खैर, 1984 में निर्णायक मौका हाथ आया। दिल्ली में टेस्ट मैच के बाद टीम को प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से मिलने का मौका मिला। प्रधानमंत्री की छवि बुलंद थी, उनके सामने बात रखना आसान नहीं था। वहां बड़े-बड़े लोग थे, बात कौन रखे, कैसे रखे? तब शांता को फिर मां की नसीहत ध्यान आई, 'तुम्हें खुद के लिए खड़ा होना पड़ेगा...'। फिर क्या था, शांता आगे बढ़ीं और प्रधानमंत्री से आग्रह किया, 'मैडम, आप खुद... हमारी महिला प्रधानमंत्री हैं, पर अपने देश में महिला क्रिकेट का प्रसारण नहीं होता है'। प्रधानमंत्री ने गंभीर होकर कहा, 'शायद कोई यंत्र की समस्या होगी' और लगे हाथ उन्होंने पीछे खड़े अधिकारी को संबोधित किया, 'सुनिए...'। और काम हो गया।

जो आग्रह महिला क्रिकेट संघ के आला पदाधिकारी नहीं कर पाए, उसे शांता ने संभव कर दिखाया। नतीजा यह हुआ कि अगले महिला टेस्ट मैच का भारत में पहली बार टीवी पर सीधा प्रसारण हुआ। असंख्य लोगों और मीडिया ने भी पहली बार गौर किया कि देश की बेटियां भी उम्दा क्रिकेट खेलती हैं। आज जब महिलाओं के छोटे-छोटे मैच भी प्रसारित होते हैं, तो शांता रंगास्वामी याद आती हैं। आज करोड़ों रुपये बरस रहे हैं, पर एक वह भी समय था, जब मैच खत्म होने के तत्काल बाद लौटने की नौबत आ जाती थी, महिला टीम का ट्रेन में आरक्षण नहीं होता था। 16 लड़कियों की टीम रात के समय किसी सूने प्लेटफॉर्म पर अगली रेल का इंतजार करती थी। हर लड़की के पास एक किटबैग, एक सूटकेस और एक बेडिंग का भार होता था। दो मिनट ट्रेन रुकती थी, लंबी शांता फटाफट लड़कियों को मय सामान अनारक्षित डिब्बे में चढ़ाती थीं। टॉयलेट के पास पचास से अधिक सामान का पहाड़ खड़ा हो जाता था। सबको एक जगह करने के बाद वह टीसी की तलाश में निकलती थीं, चार-पांच घंटे में किसी तरह से पांच-छह बर्थ का जुगाड़ होता था और लड़कियां बारी-बारी विश्राम करती घर लौटती थीं। तब की तमाम खिलाड़ी मानती हैं, शांता हमारे लिए चट्टान की तरह थीं। वह आज भी हैं। उनके फौलादी इरादों का ही प्रताप है कि आज भारतीय महिला क्रिकेट हीरे की तरह चमक रहा है।

प्रस्तुति : ज्ञानेश उपाध्याय

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals

Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

विपरीत परिस्थितियों में भी हमने छत्तीसगढ़वासियों का भरोसा रखा कायमः भूपेश बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मुंगेली जिले के सरगांव में आयोजित प्रदेश स्तरीय 'भरोसे का सम्मेलन' से किसानों, भूमिहीन मजदूरों और पशुपालकों के लिए संचालित न्याय योजनाओं के अंतर्गत कुल 1949 करोड़ 26 लाख रूपए की राशि का हितग्राहियों के खाते में अंतरण किया। साथ ही मुख्यमंत्री ने राजीव गांधी नगरीय भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना का शुभारंभ किया तथा बेरोजगारी भत्ता योजना के लिए वेबपोर्टल का लोकार्पण और छत्तीसगढ़ सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण 2023 का एप्लीकेशन लांच किया। महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क योजना के तहत ग्रामीण युवाओं में उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रदेश के विभिन्न स्थानों में नवनिर्मित 278 मल्टीएक्टिविटी सेन्टरों का शुभारंभ भी मुख्यमंत्री ने किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री बघेल द्वारा क्षेत्र के विकास के लिए 731 करोड़ 54 लाख रूपए की लागत के 73 कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने भरोसे का सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि पिछले चार वर्षो के विपरीत परिस्थियों में भी हमने छत्तीसगढ़वासियों का भरोसा कायम रखा। इसी भरोसे का यह सम्मेलन है। प्रदेश के किसानों, मजदूरों, नौजवानों के हित में लगातार कार्य हुए हमने उनका भरोसा और विश्वास राज्य सरकार पर बनाए रखा। राज्य सरकार की योजनाओं से प्रदेश के किसान खुशहाल हैं और खेती किसानी में प्रगति हुई है। शासन लगातार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लोगों के जेब में पैसे पहुंच रही है। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि प्रदेश के किसानों में सम्पन्नता आई है, जिससे प्रदेश के व्यापार-व्यवसाय भी फल-फूल रहे हैं, जिससे प्रदेश में मंदी का प्रभाव नहीं पड़ा।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की सीमा 15 क्विंटल प्रति एकड़ से बढ़ाकर 20 क्विंटल प्रति एकड़ किए जाने का जिक्र करते हुए कहा कि भेंट-मुलाकात के दौरान लगातार किसानों से चर्चा के दौरान यह बात आई थी कि उनकी धान बेचने की सीमा को बढ़ाया जाए, इसलिए किसानों का सम्मान करते हुए हमने यह निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि आज सरगांव से एक उल्लेखनीय कार्य के रूप में प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर निर्मित 278 मल्टीएक्टिविटी सेंटर का लोकार्पण किया गया है। गांव में उद्योग खोलने के लिए जरूरी सुविधाएं प्रदान करना और रोजगार उपलब्ध कराकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना हमारी प्राथमिकता है। छत्तीसगढ़ के परंपरागत उद्योगों को प्रोत्साहित करने में रीपा की स्थापना एक महत्वपूर्ण कदम है।

खास खबर

हाउसिंग बोर्ड परियोजनाओं के लिए तेज होगी जमीनों का आबंटन प्रक्रिया - कलेक्टर

रायपुर। रायपुर जिले में आमजनों के लिए नई सुव्यवस्थित आवासीय परियोजनाएं शुरू करने हाउसिंग बोर्ड को जल्द ही जमीनों का आबंटन कर दिया जाएगा। हाउसिंग बोर्ड के आयुक्त श्री सत्यनारायण राठौर की मौजुदगी में हुई बैठक में कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर भुरे ने जमीन आबंटन की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिए। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में हुई इस समन्वय बैठक में अपर कलेक्टर श्री बी.बी पंचभाई, एस.डी.एम देवेन्द्र पटेल सहित राजस्व अधिकारी और हाउसिंग बोर्ड के अधिकारी भी शामिल हुए। बैठक में विभिन्न आवासीय परियोजनाओं के लिए भूमि आबंटन से लेकर नामांतरण-सीमाकंन आदि विषयों पर गंभीरता से चर्चा हुई।बैठक मेंआयुक्त श्री राठौर ने जनहित में शुरू होने वाली आवासीय परियोजनाओं के लिए जल्द से जल्द प्रक्रिया पूर्ण कर भूमि आबंटन की मांग की। कलेक्टर डॉ भुरे ने परियोजनावार प्रकरणों पर अधिकारियों के साथ समीक्षा कर वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने भूमि आबंटन के प्रकरणों में आ रही रूकावटों को जल्द से जल्द दूर कर नियमानुसार भूमि हाउसिंग बोर्ड को आबंटित करने के निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिए।

महासमुंद से रायपुर के बीच बेलसोंडा रेलवे क्रासिंग में ओवर ब्रिज की सौगात

महासमुंद। महासमुंद से रायपुर के बीच बेलसोंडा रेलवे क्रासिंग में बहुप्रतिक्षित ओवर ब्रिज की सौगात अंततः मिल गई। संसदीय सचिव व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर के प्रयास से ओवर ब्रिज निर्माण के लिए 58 करोड़ 66 लाख रूपए की स्वीकृति मिली है। संसदीय सचिव श्री चंद्राकर ने इसके लिए क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए कहा कि जल्द ही ओवर ब्रिज निर्माण के लिए टेंडर की कार्रवाई के साथ भूअर्जन की कार्रवाई शुरू की जाएगी। यहां यह बताना लाजिमी होगा कि संसदीय सचिव व विधायक श्री चंद्राकर ने 21 अप्रैल 2022 को सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को बेलसोंडा रेलवे क्रासिंग में ओवर ब्रिज निर्माण की स्वीकृति के लिए पत्र लिखा था। संसदीय सचिव व विधायक श्री चंद्राकर की पहल व अनुरोध पत्र पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री गडकरी ने जवाब देते हुए बताया था कि बेलसोंडा के पास रेलवे क्रासिंग में ओवर ब्रिज के निर्माण कार्य को वार्षिक योजना 2022-2023 में शामिल किया गया है।

अम्बिका सिंहदेव ने मल्टीएक्टिविटी सेंटर का फीता काटकर किया शुभारंभ

जिले में रीपा के तहत 04 गौठानों में 150 महिला उद्यमी जुड़ेंगी लघु उद्योग से

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरिया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा आज छत्तीसगढ़ शासन की महत्वकांक्षी योजना महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क का शुभारंभ वर्चुअल रूप से किया गया। कोरिया जिले में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन विकासखण्ड बैकुण्ठपुर के ग्राम मझगवां स्थित गौठान व रीपा स्थल में सम्पन्न हुआ। प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में राजीव गांधी किसान न्याय योजना की चौथी किस्त के रूप में कोरिया एवं एमसीबी जिले के 33311 किसानों के खाते में 26.92 करोड़ रूपए का अंतरण भी मुख्यमंत्री बघेल द्वारा किया गया।

इस अवसर पर संसदीय सचिव एवं बैकुंठपुर विधायक श्रीमती अम्बिका सिंहदेव ने मझगवां में स्थित रीपा अंतर्गत मल्टीएक्टिविटी सेंटर का फीता काटकर शुभारंभ किया। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह सहित जनपद पंचायत एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, समूह की महिलाएं एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

ग्रामीण औद्योगिक पार्क स्थापित करने के पीछे राज्य सरकार की मंशा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाले उत्पाद स्थानीय स्तर से लेकर प्रदेश और देश में भी अपनी पहचान और व्यवसाय स्थापित करें।

मार्केटिंग के लिए क्षेत्रीय बाजार के साथ-साथ सी मार्ट, आनलाईन प्लेटफार्म एवं प्रदेशव्यापीं बाजार और शासकीय विभागों को आपूर्ति की योजना है। इन सबके सुचारू संचालन के लिए आवश्यक अधोसंरचना भी तैयार की गयी है।

कोरिया जिले में विकासखण्ड बैकुंठपुर के मझगवां तथा आनी एवं विकासखण्ड सोनहत के घुघरा तथा कुशहा गौठन चयन किया गया है। मझगवां गौठान में रीपा अंतर्गत कई गतिविधियां जैसे गोबर पेंट यूनिट, स्टेशनरी प्रोडक्ट मेकिंग, बोरी बैग मेकिंग, पेपर कप/बॉक्स मेकिंग, लेमन ग्रास प्लांटेशन आदि गतिविधियां शामिल है जिनका संचालन स्व सहायता समूह की 35 उद्यमी महिलाएं करेंगी। वहीं अन्य रीपा स्थलों में पापड़ मेकिंग, मसाला मेकिंग एवं प्रोसेसिंग एंड पैकेजिंग, जैम मेकिंग यूनिट, बेकरी एंड ब्रेड मेकिंग यूनिट तथा फ्लेक्स एवं ऑफसेट बैनर प्रिंटिंग यूनिट, चावल प्रोसेसिंग, नर्सरी विकास, सरसों तेल मेकिंग यूनिट आदि का संचालन किया जाना है। इससे लगभग 150 महिला उद्यमी अपनी सफलता की इबारत लिखेंगी

विदित हो कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा मुंगेली जिले के सरगांव में आयोजित प्रदेश स्तरीय 'भरोसे का सम्मेलन' में प्रदेश के किसानों, भूमिहीन मजदूरों और पशुपालकों के लिए संचालित न्याय योजनाओं के अंतर्गत कुल 1946 करोड़ 26 लाख रूपए की राशि का हितग्राहियों के खाते में अंतरण किया गया। इसके साथ ही साथ मुख्यमंत्री श्री बघेल ने महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क योजना के तहत ग्रामीण युवाओं में उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रदेश के विभिन्न स्थानों में नवनिर्मित 278 मल्टीएक्टिविटी सेन्टर का लोकार्पण और राजीव गांधी नगरीय भूमिहीन मजदूर न्याय योजना का शुभारंभ किया। 'भरोसे का सम्मेलन' में बेरोजगारी भत्ता योजना के वेबपोर्टल के लोकार्पण के साथ ही छत्तीसगढ़ सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण 2023 का एप्लीकेशन भी लॉन्च किया गया।

मुख्यमंत्री सुपोषण योजनाः पौष्टिक पोषक आहार से महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य में आया सुधार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । महिलाओं एवं बच्चों में कुपोषण और एनीमिया की समस्या को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर शुरू किए गए मुख्यमंत्री सुपोषण योजना से महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य में बड़ा सुधार आ रहा है। आदिवासी बहुल दंतेवाड़ा जिले में 4 हजार 412 बच्चों ने कुपोषण को मात दे दी है। योजना से अब तक यहां 94 हजार 828 महिलाओं और बच्चों ने लाभ उठाया है।

मुख्यमंत्री सुपोषण योजनामुख्यमंत्री सुपोषण अभियान का मुख्य उद्देश्य स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पौष्टिक भोजन, प्रोटीन, आयरन युक्त खाद्य सामाग्रियों को दैनिक जीवन में शामिल कर कुपोषण एवं एनीमिया की दर में कमी लाना है। इसके साथ ही जन-सामान्य में कुपोषण एवं एनीमिया के विरूद्ध जन-जागरूकता लाकर इससे निपटने के लिए वातावरण तैयार करना है। योजना के तहत दंतेवाड़ा जिले में सुपोषण केंद्रों के माध्यम से 1 से 3 वर्ष के सामान्य एवं कुपोषित बच्चे, शिशुवती माताओं एवं आंगनबाड़ी केन्द्र के माध्यम से 3 से 6 वर्ष के बच्चे तथा गर्भवती माताओं को पौष्टिक आहार से लाभांवित किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा बच्चों और माताओं को योजना के तहत प्रतिदिन निःशुल्क पौष्टिक भोजन दिया जा रहा है। खाने में अंडे, गुड़ और मूंगफली से बने पौष्टिक लड्डू दिए जा रहे हैं।

बच्चों, महिलाओं को पौष्टिक आहार मिलने से कुपोषण की दर घटी है। आंगनबाड़ी दीदियों द्वारा गर्भवती माताओं के खानपान, संतुलित आहार साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने से स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार हुआ है।

इन दीदियों द्वारा घर-घर भेंट कर गर्भवती माताओं को पौष्टिक व्यंजनों, बच्चों की उचित देखभाल, उचित पोषण और टीकाकरण आदि के बारे में जानकारी भी दी जा रही है।

छ.ग. बेरोजगारी भत्ता योजना का वेब पोर्टल और सर्वेक्षण एप का सीएम ने किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

खैरागढ़। नवगठित जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई के दूरस्थ वनांचल और राज्य के सीमावर्ती क्षेत्र ग्राम पंचायत सल्हेवारा में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री बघेल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से ग्रामीण औद्योगिक पार्क का उद्घाटन किया। सरगांव, जिला मुंगेली में आयोजित मुख्य कार्यक्रम, भरोसे के सम्मेलन के अवसर पर उन्होंने राजीव गांधी किसान न्याय योजना की चौथी किश्त जारी की, अविभाज्य जिला से लगभग 2 लाख किसानों के खाते में 157.36 करोड़ राशि का अंतरण होगा।

इस दौरान छ.ग. बेरोजगारी भत्ता योजना का वेब पोर्टल और छ.ग. सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण-2023 के एप का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कार्यक्रम

स्थल में मंत्रिमंडल और सभी जनप्राधिनिधि उपस्थित हुए।केसीजी कलेक्टर डॉ. जगदीश सोनकर साल्हेवारा रीपा स्थल पर उपस्थित थे। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से ग्रामीण औद्योगिक पार्क और अन्य योजनाओं का बटन दबाकर शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उद्घाटन के अवसर पर जनता को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह भरोसा का सम्मेलन है। ये किसान, मजदूर और युवा मन के भरोसा के सम्मेलन है। विकास के लक्ष्य को सबको मिलकर हासिल करना है। शासन ने सभी वर्गों को लाभ देने का काम किया है। बेरोजगारों को भत्ता दिया जाएगा।शहरी। एवं ग्रामीण भूमिहीन मजदूर श्रमिक को सहायता राशि दी जाएगी। किसानों से धान खरीदी बढ़ाकर 20 कविंटल प्रति एकड़ किया गया। खरीफ2021 का चौथा किश्त जारी किया गया। कन्या विवाह योजना में 50 हजार रुपये दिए जाएंगे। आंगनबाड़ी, सफाई कर्मी, कोटवार आदि का मानदेय बढ़ाया गया। नये आत्मानन्द स्कूल और मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे। पत्रकार सुरक्षा योजना लागू किया गया। साल्हेवारा में महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क से ग्रामीण आजीविका को मिलेगा नया आयाम

अतिशीघ्र आवश्यकता है

एक प्लॉट सेल करने पर 9-10 प्रतिशत तक का ब्रोकरेज
अनुभविकओं के लिए अतिशीघ्र आवश्यकता है...
रियल स्टेट कंपनी में काम किए हुए
अनुभविक एवं फ्रेशर लड़के
एवं लड़कियों की सेल्स एंड मार्केटिंग के लिए...
पार्ट टाइम और फुल टाइम जॉब
सैलरी :-7000-10000/- योग्यता के अनुसार
संपर्क करें : 9109132445
लोकेशनः- भिलाई दुर्ग चरोदा

जिले के हंचलपुर और अछोटा रीपा गौठान में किया गया सीधा प्रसारण

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना महात्मा गांधी ग्रामीण पार्क (रीपा) का मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज वर्चुअल शुभारम्भ मुंगेली जिले के सरगांव में आयोजित भरोसे का सम्मेलन में किया। इस दौरान उन्होंने राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत खरीफविपणन वर्ष 2022-23 के तहत प्रदेश के किसानों के बैंक खातों में बोनस राशि की प्रथम किश्त जारी की।

साथ ही विभिन्न नवीन योजनाओं का शुभारम्भ किया। जिले में आज मुख्यमंत्री के वर्चुअल कार्यक्रम के सीधा प्रसारण की व्यवस्था कुरूद ब्लॉक के रीपा गौठान हंचलपुर और धमतरी के अछोटा गौठान में की गई थी। अछोटा गौठान में रीपा योजना का सांकेतिक शुभारम्भ मध्यक्षेत्र आदिवासी विकास

प्राधिकरण की उपाध्यक्ष और सिहावा विधायक डॉ.लक्ष्मी ध्रुव और हंचलपुर गौठान में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कांति सोनवानी ने मुख्य अतिथि के तौर पर किया। इस दौरान अतिथियों ने रीपा के उद्देश्य और इसके महत्व पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला तथा उपस्थित जनप्रतिनिधियों, समूह की महिलाओं और ग्रामीणों को अपनी शुभकामनाएं दी। हंचलपुर गौठान में कलेक्टर श्री ऋतुराज रघुवंशी, जिला पंचायत सदस्य श्री गोविंद साहू, जनपद पंचायत कुरूद की अध्यक्ष श्रीमती शारदा साहू, एसडीएम कुरूद सोनाल डेविड सहित उपस्थित लोगों ने भरोसे का सम्मेलन के वर्चुअल कार्यक्रम के सीधा प्रसारण में हिस्सा लिया। अछोटा में आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष नीशु चन्द्राकर, महापौर श्री विजय देवांगन, पूर्व विधायक धमतरी गुरूमुख सिंह होरा, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती कविता बाबर, श्री खूबलाल ध्रुव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती रोक्तिमा यादव ने मुख्यमंत्री का उद्बोधन सुना। उल्लेखनीय है कि रीपा के अंतर्गत प्रत्येक विकासखंड में दो-दो गौठानों को विकसित किए जाने का प्रावधान है। इसके तहत जिले के चारों विकासखंड कुरूद के हंचलपुर व गातापार को., धमतरी के भटगांव और अछोटा, मगरलोड के भेंडरी एवं खिसोरा और नगरी विकासखंड के ग्राम गट्टासिल्ली तथा सांकरा के गौठान को रीपा के तहत चयन किया गया है।

आवश्यकता है

लड़के एवं लड़कियों की
वेतन चार अंकों में
भिलाई मसाला उद्योग
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

BIG BRAND
Premium Store

30% Off
70001 78467
70008 73376
Near KPS school ,
Nehru Nagar ,Bhilai

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

CONTACT
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

इंडियन जर्नलिस्ट्स यूनियन ने शहीद भगत सिंह की सजग पत्रकारिता को किया याद

रायपुर (ए)। इंडियन जर्नलिस्ट्स यूनियन के 'सेव जर्नलिस्म, सेव डेमोक्रेसी' के राष्ट्रव्यापी अभियान में स्टेट वर्किंग जर्नलिस्ट् यूनियन छत्तीसगढ़ ने प्रदेश के कई जिला मुख्यालयों समेत राजधानी रायपुर में विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किया। 23 मार्च शहीद दिवस पर वर्तमान दौर में पत्रकारिता के समक्ष चुनौतियों को रेखांकित करते हुए शहीद भगतसिंह की सजग पत्रकारिता को याद किया गया। आज देश में पत्रकारिता के समक्ष चुनोतियों को देखते हुए एकजुटता तथा लोकतंत्र को बचाने के लिये संघर्ष जरूरी है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने वर्तमान हालातों पर अपने अपने विचार व्यक्त करते हुए लोकतंत्र के लिए पत्रकारिता को प्रभाव मुक्त रखने को अहम बताया जिससे निर्भीकता के साथ सच को जनता के समक्ष रखा जा सके क्योंकि बीते वर्षों में अंतरराष्ट्रीय स्तर में भारतीय पत्रकारिता का स्थान नीचे की ओर आया है जो अत्यंत चिंताजनक है ऐसे में पत्रकारिता के मुश्किल दौर का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है।

शंकरनगर चौक पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम में राज्य संगठन सचिव सुधीर आज़ाद तम्बोली ने आमंत्रितों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत की, प्रदेश अध्यक्ष पी सी रथ ने आज शहीद भगतसिंह की पत्रकारिता को याद करते हुए बताया की किस तरह देश के वर्तमान हालातों को देखते हुए इंडियन जर्नलिस्टस यूनियन ने ऑल इंडिया कॉल दिया है, कि आज पत्रकारिता तथा लोकतंत्र को

बचाने के लिए व्यापक जागरूकता की जरूरत है। किस प्रकार भगतसिंह ने अपने आसपास की दुनिया को समझने की कोशिश की थी तथा कानपुर जा कर प्रसिद्ध संपादक गणेश शंकर विद्यार्थी के प्रताप अखबार में बलवंत नाम से लगातार आलेख लिखे थे। आज राज्य में पत्रकार सुरक्षा कानून भले ही लागू हो रहा हो देश के स्तर पर पत्रकारों के स्वतंत्र रिपोर्टिंग में आज भी बहुत खतरे हैं। प्रख्यात चिकित्सक तथा विचारक डॉ बिप्लब वंदोपाध्याय ने भगतसिंह की वैचारिकी, उनके राजनैतिक शिक्षण और सजग पत्रकारिता को याद किया। उन्होंने आज के संदर्भो में भगतसिंह की सोच के साथ लोकतंत्र को बचाने के लिए एकजुट होने की बात कही।

कार्यक्रम में साहित्य अकादमी अध्यक्ष ईश्वर सिंह दोस्त, वरिष्ठ पत्रकार समीर दीवान, राजकुमार सोनी, रंगनिदेशक मिनहाज असद, शेखर नाग, यूनियन कोषाध्यक्ष शरीफ खान, सदस्य गोपाल सोनी, प्रदीप मिश्रा, धर्मराज महापात्र , राजेश अवस्थी, लवकुमार साहू, चोवाराम वर्मा, सतीश वर्मा, होमलाल साहू, गणेश सोनकर, धनंजय बरमाल, श्रीकांत बाघमारे के साथ ही अन्य पत्रकार साथी, समाजिक संस्थाओ के सदस्य व गणमान्य नागरिक शामिल थे।

सामाजिक संगठनों का भी समर्थन

धमतरी के सामाजिक संगठन एक्ज़ेक्ट फाउंडेशन ने भी आईजेयू के सेव जर्नलिस्म के समर्थन में संचालित दिव्यांग आवासीय विद्यालय रुद्री में कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें अध्ययनरत विद्यार्थियों, स्टाफ व संस्था के सदस्य सम्मिलित हुए।

खास खबर...

शिक्षक संवर्ग की पदोन्नति पश्चात पदांकन काउंसलिंग के माध्यम से: मंत्री डॉ. टेकाम

रायपुर। प्रदेश में शिक्षक संवर्ग की पदोन्नति के बाद पदांकन काउंसलिंग के माध्यम से की जाएगी। स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा को इस संबंध में कार्यवाही सुनिश्चित कराने कहा है।

स्कूल शिक्षा मंत्री द्वारा प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा को जारी पत्र में कहा गया है कि विभिन्न जनप्रतिनिधियों एवं अन्य माध्यम से पदोन्नति पश्चात पदांकन में शिकायतें प्राप्त होती है। विधानसभा में भी कुछ माननीय विधायकों ने यह तथ्य मेरे संज्ञान में लाया था। अतः यह सुनिश्चित करें की शिक्षक संवर्ग की पदोन्नति पश्चात पदांकन काउंसलिंग के माध्यम से हो। इसके पश्चात आवश्कता वाली शालाओं में क्रमशः पदांकन किया जाए। पदोन्नति प्रक्रिया की मॉनिटरिंग सचिवालय एवं संचालनालय के अधिकारी करें। व्याख्याता, प्राचार्य संवर्ग में पदोन्नति की कार्यवाही भी इसी रीति से की जाए।

आदिवासी समाज हित और पेसा कानून को मजबूत बनाने का कार्य करें: कवासी लखमा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वाणिज्यिक कर (आबकारी) एवं उद्योग मंत्री कवासी लखमा ने अनुसूचित जनजाति सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सामाजिक एकता के साथ समाज सुधार का कार्य करें और समाज के हित में पेसा कानून को मजबूत बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करें। श्री लखमा रायपुर के शहीद स्मारक भवन में छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग द्वारा आयोजित अनुसूचित जनजाति सम्मेलन को संबोधित कर रहे थें।

मंत्री लखमा ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर गत वर्ष राज्य में पेसा कानून लागू किया गया। पेसा कानून का राज्य में प्रारंभिक काल है। आदिवासी समाज के हित में सामाजिक एकता के साथ इसमें सुधार के लिए अनुसूचित जनजाति आयोग को सुझाव दे। आयोग उनके सुझाव को सरकार तक पहुंचाने का कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज के हित में सरकार ने कोशिश की है कि आदिवासी क्षेत्रों में समाज के स्थानीय निवासियों को वहीं पर सरकारी नौकरी मिले। सरकारी नौकरियों में भर्ती के

लिए आदिवासी समाज को सरकार ने आरक्षण की व्यवस्था की है। आदिवासी संस्कृति और सामाजिक संरक्षण के लिए सरकार द्वारा देवगुड़ी और घोटुल निर्माण के लिए राशि स्वीकृत की जा रही है। श्री लखमा ने कहा कि महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज और स्वर्गीय राजीव गांधी के पंचायती राज का सपना ग्राम विकास से ही पूरा होगा। पंचायती राज व्यवस्था में सरपंच ही ग्राम का विकास कर सकता है। उन्होंने कहा कि सामाजिक जागरूकता के लिए शिक्षा बहुत जरूरी है।

सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति तथा संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि आयोग के वार्षिक अधिवेशन में उसके कार्यों की प्रगति का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया जाता है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज के पास कई चुनौतियां हैं। देश की आजादी के बाद आदिवासियों को बराबरी का दर्जा देने के लिए शिक्षा और सरकारी नौकरियों में आरक्षण का मौका दिया गया।

छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति के अध्यक्ष भानुप्रताप सिंह ने कहा कि आयोग प्रदेश में अनुसूचित जनजाति वर्ग के संवैधानिक हितों की रक्षा के लिए सजग प्रहरी के रूप में निरंतर कार्यरत् है। आयोग के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार ग्रहण करने के बाद प्राप्त होने वाले आवेदन एवं शिकायत पत्रों पर संज्ञान लेकर आयोग कार्यालय एवं जिलों में कैम्प कर सुनवाई की गई, जिससे अनुसूचित जनजाति वर्ग के पीड़ित व्यक्तियों को न्याय मिला है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में माह फरवरी 2023 की स्थिति में 1728 प्रकरण पंजीबद्ध है, जिसकी नियमित सुनवाई पर प्रकरणों का निराकरण किया जा रहा है। आयोग द्वारा 01 और 02 दिसंबर 2021 को छत्तीसगढ़ ग्राम पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों का विस्तार नियम-1996) (पेसा एक्ट) के संबंध में आदिवासी समाज प्रमुखों एवं विशेषज्ञों की कार्यशाला का आयोजन किया गया।

आयोग के पदाधिकारियों द्वारा जिलों का भ्रमण कर समाज के लोगों से भेंट-मुलाकात की जाती है और उनकी समस्याओं से अवगत होकर उनका समाधान करने का प्रयास किया जाता है। इसके साथ प्रकरणों की नियमित सुनवाई कर निराकरण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बस्तर संभाग के सुकमा जिले के 98 आदिवासी परिवार सलवा जुडूम आंदोलन के कारण अपने घर-द्वार छोड़कर आंध्रप्रदेश एवं तेलंगाना राज्य में पलायन कर गए थे। उन्हें छत्तीसगढ़ में अपने मूल निवास स्थान में वन भूमि पट्टा तथा जाति प्रमाण पत्र बनाए जाने के लिए आयोग की ओर से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से आग्रह किया गया जिस पर उनके द्वारा सहमति दी गई।

सम्मेलन में पेसा एक्ट एवं नियम के संबंध में अश्वनी कांगे, प्रखर जैन, जाति प्रमाण पत्र विषय पर उप संचालक आदिम जाति कल्याण ए.आर. नवरंग, वन अधिकार अधिनियम और विभागीय योजनाओं के संबंध में विषय विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी गई। सम्मेलन में उपाध्यक्ष राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग डॉ. सुश्री राजकुमारी दीवान, सदस्य सर्वश्री नितिन पोटाई, गणेश सिंह ध्रुव और अर्चना पोर्ते, सर्व आदिवासी समाज के पूर्व अध्यक्ष वी.पी.एस. नेताम सहित समाज के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में स्वजातिय बंधु उपस्थित थें।

हाउसिंग बोर्ड परियोजनाओं के लिए तेज होगी जमीनों की आबंटन प्रक्रिया: कलेक्टर

हाउसिंग बोर्ड और राजस्व अधिकारियों की समन्वय बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर (ए)। रायपुर जिले में आमजनों के लिए नई सुव्यवस्थित आवासीय परियोजनाएं शुरू करने हाउसिंग बोर्ड को जल्द ही जमीनों का आबंटन कर दिया जाएगा। हाउसिंग बोर्ड के आयुक्त सत्यनारायण राठौर की मौजुदगी में हुई बैठक में कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भुरे ने जमीन आबंटन की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिए। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में हुई इस समन्वय बैठक में अपर कलेक्टर बीबी पंचभाई, एसडीएम देवेन्द्र पटेल सहित राजस्व अधिकारी और हाउसिंग बोर्ड के अधिकारी भी शामिल हुए।

बैठक में विभिन्न आवासीय परियोजनाओं के लिए भूमि आबंटन से लेकर नामांतरण-सीमाकंन आदि विषयों पर गंभीरता से चर्चा हुई। बैठक मेंआयुक्त राठौर

ने जनहित में शुरू होने वाली आवासीय परियोजनाओं के लिए जल्द से जल्द प्रक्रिया पूर्ण कर भूमि आबंटन की मांग की। कलेक्टर डॉ भुरे ने परियोजनावार प्रकरणों पर अधिकारियों के साथ समीक्षा कर वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने भूमि आबंटन के प्रकरणों में आ रही रूकावटों को जल्द से जल्द दूर कर नियमानुसार भूमि हाउसिंग बोर्ड को आबंटित करने के निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिए।

बैठक में राजीव नगर आवासीय योजना के लिए गोगांव, मोवा, मांठ-खरोरा, सिंगारभाठा-अभनपुर, उरला-अभनुपर, नायकबांधा-अभनपुर और सलोनी-अभनपुर में भुमि आबंटन पर चर्चा की गई। इन स्थानों पर विभिन्न विभागों द्वारा नियमानुसार भूमि आबंटन के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र निर्धारित शुल्क राशि आदि के जमा होने पर भी बैठक में चर्चा हुई। बैठक में सोनडोंगरी, जरवाय, डगनिया की हाउसिंग बोर्ड को आबंटित भूमि का जल्द नामांतरण करने की मांग भी अधिकारियों ने की।

बच्चों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य करें: राज्यपाल

राज्य बाल कल्याण परिषद के प्रतिनिधिमंडल ने की भेंट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन से आज राजभवन में छत्तीसगढ़ राज्य योजना बाल कल्याण परिषद के उपाध्यक्ष चंद्रेश शाह के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य भेंट की और बाल विकास परिषद के उद्देश्य एवं कार्यो के बारे में जानकारी दी। राज्यपाल ने बाल कल्याण परिषद द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने इसी प्रकार बच्चों के कल्याण के लिए कार्य करते रहने को कहा क्योंकि बच्चे ही देश का भविष्य है। बाल कल्याण परिषद के सचिव ने बताया कि रायपुर में स्पीच थेरपी केंद्र 2 वर्ष से संचालित है जहां कम शुल्क पर मूक बधिर बच्चों का उपचार किया जाता है। इसके अलावा परिषद द्वारा 4 बाल गृह संचालित हैं जिसमें 2 बालिका और 2 बालक गृह शामिल हैं।

इस अवसर पर डॉ. अशोक त्रिपाठी, इंदिरा जैन, प्रकाश अग्रवाल, राजेन्द्र निगम, प्रभा सेन्द्रे, संगीता जग्गी, श्वेता सिंह, मणी शर्मा, पूजा मिसालवार भी उपस्थित थे।

तहसील तिल्दा के राजस्व प्रकरणों के निराकरण हेतु तहसील कार्यालय में लगाया गया शिविर

रायपुर। तिल्दा तहसील के राजस्व प्रकरणों- नामांतरण, खाता विभाजन, सीमांकन, व्यपवर्तन, किसान किताब, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र , निवास प्रमाण पत्र एवं अन्य राजस्व से संबंधित प्रकरणों के निराकरण हेतु आज तहसील कार्यालय में सवेरे 10:30 बजे से शिविर का आयोजन किया गया। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में कई हितग्राहियों के प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया गया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर बीबी पंचभाई एवं बी सी साहू,अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी उपस्थित थे।

आज आयोजित शिविर में विभिन्न प्रकरणों के कुल 195 आवेदन प्राप्त हुए। जिनमें 137 आवेदनों का त्वरित निराकरण किया गया और 58 आवेदन प्रक्रियाधीन है। शिविर में आज नामांतरण प्रकरण के 12 प्राप्त आवेदनों में 4 निराकृत किए गए और 8 प्रक्रियाधीन है। इसी तरह खाता विभाजन के 6 प्राप्त आवेदनों में 1 निराकृत किया गया और 5 प्रक्रियाधीन है। बटांकन के 9 आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें से 5 का निराकरण हुआ तथा शेष चार प्रक्रियाधीन है। सीमांकन प्रकरण के 10 प्राप्त आवेदनों में से सभी प्रक्रियाधीन है। ऋण पुस्तिका के 7 प्राप्त आवेदनों में 6 निराकृत किए गए और 1 प्रक्रियाधीन है।

इसी प्रकार आय प्रमाण पत्र के 53 आवेदन , जाति प्रमाण पत्र के 42 आवेदन तथा निवास प्रमाण पत्र के 10 आवेदन प्राप्त हुए। आय ,जाति और निवास पत्र के प्राप्त सभी आवेदनों में से सभी का निराकरण किया गया। जन्म प्रमाण पत्र के 2 प्राप्त आवेदनों में से दोनो का निराकरण हुआ । अन्य प्रकरणों के 40 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 11 का निराकरण किया गया और 29 प्रक्रियाधीन है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

सिर घूमने पर आजमाएं ये 5 घरेलू नुस्खे

तुरंत मिलेगी समस्या से राहत

चक्कर आना एक सामान्य समस्या है और शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा जिसने कभी इसका अनुभव न किया हो। चक्कर आने की स्थिति में सुधार करने के लिए गहरी सांस लेना सबसे अच्छा उपाय है। यह मस्तिष्क के सभी हिस्सों को पर्याप्त ऑक्सीजन पहुंचाता है। इससे तंत्रिका तंत्र को आराम मिलता है और चक्कर आना कम हो सकता है। इसके अलावा आप इससे राहत के लिए यहां बताए जा रहे कुछ घरेलू नुस्खे भी आजमा सकते हैं।

खुद को रखें हाइड्रेटेड

कई बार लो ब्लड प्रेशर या फिर डिहाइड्रेशन की समस्या के कारण भी चक्कर का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में इससे बचाव के लिए ज्यादा से ज्यादा पानी और ताजे फलों के जूस का सेवन करें। इसी के साथ स्पोर्ट्स ड्रिंक्स का भी सेवन किया जा सकता है। हालांकि, अगर आप स्वास्थ्य संबंधित किसी तरह की परेशानी से जूझ रहे हैं तो स्पोर्ट्स ड्रिंक्स के सेवन से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

आंवला और धनिये के बीज का इस्तेमाल

आंवला और धनिये के बीज में पर्याप्त मांत्रा में विटामिन- ए होता है, जो सिर घूमने या चक्कर आने के प्रभाव को कम कर सकता है। यदि आप अक्सर चक्कर आने की समस्या से जूझते हैं तो इस मिश्रण को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें। लाभ के लिए आंवले और 2 बड़ी चम्मच धनिये के बीज को पानी में मिलाकर रातभर के लिए छोड़ दें और फिर अगली सुबह इसका सेवन करें।

तुलसी और साइप्रस का तेल आएगा काम

तुलसी और साइप्रस के तेल का मिश्रण चक्कर आने के प्रभाव को कम करने में काफी मदद कर सकता है। इसके लिए एक डिफ्यूजर में तुलसी के तेल की 2 से 3 बूंद और साइप्रस के तेल की दो बूंद डाल लें। इसके बाद डिफ्यूजर को चालू करके अपने कमरे में रख दें। जैसे-जैसे तेल की महक आपके संपर्क में आएगी, वैसे ही आपको चक्कर और सिरदर्द से छुटकारा मिलना शुरू हो जाएगा।

सेब का सिरका भी है कारगर

रक्त शर्करा में गिरावट आने के कारण भी चक्कर आता है। खाद्य पदार्थ शर्करा के स्तर को बनाए रखने में अधिक समय लेते हैं, लेकिन सेब के सिरके को एक गिलास पानी में मिलाकर पीने से कम समय में शर्करा के स्तर को स्थिर किया जा सकता है। अगर पानी गुनगुना हो तो यह प्रभावी ढंग से आपकी समस्या को दूर कर सकता है।

अदरक से मिलेगा आराम

चक्कर से राहत दिलाने में अदरक भी काफी मदद कर सकती है। लाभ के लिए सबसे पहले एक पैन में 1 कप दूध को उबालें और उबाला आ जाने के बाद उसमें आधी चम्मच चायपत्ती के साथ थोड़ा सा कदूकस किया हुआ अदरक डालें। अब पैन में स्वादानुसार चीनी डालकर चाय को अच्छी तरह उबालें। इसके बाद चाय को छन्नी से छानकर कप में डालकर इसका सेवन करें। आप चाहें तो कच्ची अदरक का भी सेवन कर सकते हैं।

मृणाल ठाकुर के बॉडीकॉन ड्रेस ने खींचा फैंस का ध्यान

बॉलीवुड एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर इन दिनों अपने बोल्ड और स्टाइलिश लुक्स के चलते सोशल मीडिया पर लाइमलाइट में बनी हुई हैं। टीवी करियर से बॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली एक्ट्रेस का जल्द ही एक अलग अंदाज देखने को मिलेगा मर्डर मिस्ट्री फिल्म गुमराह में। हाल ही में ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने बेहद ही स्टाइलिश आउटफिट पहना हुआ था जिसकी फोटोज उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर बॉलीवुड इंडस्ट्री की उन एक्ट्रेसेस में से एक हैं जिन्होंने बेहद ही कम समय में अपने नाम एक बड़ा मुकाम हासिल किया है। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो वो हमेशा इंटरनेट का पारा गर्म कर देती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने अपने लेटेस्ट ब्लैक एंड व्हाइट कलर के लॉन्ग बॉडीकॉन आउटफिट में फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस कैमरे के सामने अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती हुई बेहद ही किलर लुक्स में पोज देती हुई दिखाई दे रही हैं। ओपन हेयर और न्यूड मेकअप कर के एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि एक्ट्रेस जल्दी ही अपनी अपकमिंग फिल्म गुमराह में एक पुलिस अफसर के रोल में मर्डर मिस्ट्री को सुलझाती नजर आएंगी। ये फिल्म 7 अप्रैल को रिलिज होने जा रही है। एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर इन फोटोज में अपना डीपनेक क्लीवेज फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। मृणाल ठाकुर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है।

खीरा खाने से पहले जान लीजिए इसे खाने का सही तरीका

गर्मियों का आगमन हो चुका है। वही ऐसे में खीरा खाना आपके लिए बेहद फायदेमंद होगा, वजन घटाने और शरीर को स्लिम-ट्रिम रखने में भी इसका सेवन महत्वपूर्ण किरदार निभाता है। इसके बाद भी अधिकतर लोगों को इसे खाने का सही तरीका नहीं पता है। वे इस बात को लेकर असमंजस रहते हैं कि इसे छीलकर खाना चाहिए या बिना छीला हुआ। आइये आज दूर करते है आपका असमंजस...

चेहरे की झुर्रियों को करता है कम

खीरा खाने से स्किन एजिंग यानी त्वचा पर झुर्रियां पड़ने की दर धीमी हो जाती है। इसके चलते चेहरे पर हमेशा रौनक खिली रहती है तथा व्यक्ति जवां-जवां नजर आता है।

वज़न कम करने में मिलती है मदद

खीरे में फाइबर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। जिससे पेट का पाचन तंत्र बढ़िया से काम करता है। इससे कब्ज एवं गैस-एसिडिटी की दिक्कत दूर हो जाती है। इसके सेवन से पेट भरा-भरा रहता है।

शरीर में करता है पानी की आपूर्ति

खीरे के भीतर भरपूर मात्रा में पानी पाया जाता है, जिसके चलते उसे खाने से बॉडी हमेशा हाइड्रेट रहती है। यदि आप प्रतिदिन खीरे का सेवन करते हैं तो शरीर में कभी भी पानी की कमी नहीं हो पाती।

खीरे को खाने का सही तरीका

अब बात करते हैं कि खीरे को खाने का सही तरीका क्या है। क्या उसे छीलकर खाना चाहिए या बिना छीला हुआ। आयुर्वेदाचार्यों की मानें तो खीरे को छीलकर नहीं बल्कि बिना छीले खाना चाहिए। वास्तव में उसके छिलके के भीतर ही उसके आधे गुण छिपे होते हैं, जिसे हम छीलकर दूर कर देते हैं। हालांकि खाने से पहले उसकी कड़वाहट निकाल देनी चाहिए। साथ ही साफ पानी से धो भी लेना चाहिए।

एक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश ने दिये पर्पल कलर की ब्रालेट के साथ पैंट पहनकर बेहद ही स्टाइलिश पोज

टीवी एक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश अपनी हॉटनेस और ग्लैमरस अंदाज से फैंस के दिलों पर कहर बरपाए रहती हैं। वहीं, उनके करण कुंद्रा के साथ रिलेशनशिप को लेकर भी चर्चाएं बनी रहती हैं। वहीं, हाल ही में एक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश ने ब्रालेट के साथ अपनी हॉट तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। एक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश ने पर्पल कलर की ब्रालेट के साथ पैंट पहनकर बेहद ही स्टाइलिश पोज दिए हैं। जो फैंस को काफी पसंद आ रहे हैं। टीवी एक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश इस लेटेस्ट आउटफिट में अपनी बैक फ्लॉन्ट कर रही हैं। जो फैंस के दिलों को बेताब किए हुए हैं। मिनिमल मेकअप के साथ एक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश ने कई डिफरेंट अंदाज में पोज देकर सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा रखा है। लेटेस्ट फोटोशूट में टीवी की नागिन काफी बोल्ड लुक में नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने न्यूड मेकअप के साथ कोई ज्वैलरी नहीं पहन रखी है। इसके बावजूद भी एक्ट्रेस की खूबसूरती पानी में आग लगाने का काम कर रही है। एक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश की सोशल मीडिया पर वीडियो या तस्वीरें आते ही वायरल हो जाती हैं। तेजस्वी के फैन फॉलोइंग की बात करें तो उनके इंस्टाग्राम पर 6.7 मिलियन फॉलोवर्स हैं। तेजस्वी प्रकाश एक्टर करण कुंद्रा के साथ रिलेशनशिप को लेकर काफी चर्चाओं में रहती हैं। एक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश अपने फैंस का दिल जीतना जानती हैं। उन्हें पता है कि फैंस के दिलों पर राज कैसे किया जाता है।

कुंडली भाग्य में पहली बार मां का किरदार निभाएंगी इरा सोन

अभिनेत्री इरा सोन, जिन्होंने 2007 में लोकप्रिय शो कुमकुम- एक प्यारा सा बंधन से अपने अभिनय करियर की शुरूआत की थी और आखिरी बार देश की बेटी नंदिनी में देखी गई थीं, सात साल बाद एकता कपूर की कुंडली भाग्य के साथ छोटे पर्दे पर आने के लिए तैयार हैं। उन्होंने शो का हिस्सा बनने और पहली बार मां की भूमिका निभाने के बारे में बात की। शो में अपने किरदार के बारे में उन्होंने कहा, मैं लीप के बाद शो में मां का किरदार निभा रही हूं, जो मेरे पूरे करियर में पहली बार है। सात साल बाद कुंडली भाग्य में वापसी करने के बारे में उन्होंने कहा, मैंने कुंडली भाग्य को चुना क्योंकि यह हिट शो है, इसकी कहानी शानदार है। मुझे लगा कि मां की भूमिका निभाने के लिए यह मेरे लिए बिल्कुल सही शो है। क्योंकि इसमें बहुत सारे शेड्स हैं और यह बाकियों से अलग है। उन्होंने एक मां की भूमिका निभाने पर अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हुए कहा: मैं शूटिंग के पहले दिन नर्वस थी कि मैं इसे कर पाऊंगी। लेकिन मैंने इसे एक चुनौती के रूप में लिया और यह मेरे लिए कुछ नया और अलग है, मैं काफी उत्साहित हूं। मुझे उम्मीद है कि मैं एक मां के किरदार में फिट हो जाऊंगी। कम उम्र में मां की भूमिका निभाने के बारे में उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि आज किसी किरदार को निभाने की कोई उम्र सीमा है। मां का किरदार सिर्फ एक टिपिकल करेक्टर नहीं है, बल्कि उसका अपना शेड है और उसका अपना ग्राफ है, जिसे आप शो में देखेंगे। मैं इससे बेहद खुश हूं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरल उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका को मिला सम्मान

रायपुर। मुंगेली जिले के अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक 01 की कार्यकर्ता श्रीमती सरिता साहू ने आज सरगांव में कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका के मानदेय में बढ़ोतरी कर हमें सम्मान का जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित किया है। मानदेय में बढ़ोतरी से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं में उत्साह है। श्रीमती साहू ने आंगनबाड़ी मानदेय में बढ़ोतरी के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि ग्राम कुंदरूकापा के केन्द्र क्रमांक-एक सेक्टर लोरमी में वह आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के रूप में कार्य कर रही हैं, उनके केन्द्रों में शून्य से तीन वर्ष के 43 बच्चे, तीन से छः वर्ष के 36 बच्चे, गर्भवती 8 और शिशुवती 15 महिलाओं को आंगनबाड़ी केन्द्र के माध्यम से पोषण आहार प्रदान किया जा रहा है। श्रीमती साहू ने बताया कि आंगनबाड़ी केन्द्र के माध्यम से महिलाओं और किशोरी बालिकाओं को साफ-सफाई और स्वस्थ रहने के लिए पोषक तत्व आधारित भोजन अधिक से अधिक लेने का सुझाव देते हैं ताकि किशोरी बालिका और गर्भवती महिला स्वस्थ रहे। उन्होंने बताया कि गर्भवती महिलाओं को समय-समय पर जांच कराते रहने और आंगनबाड़ी केन्द्र के माध्यम से आयरन की गोलियां प्रदान की जाती है। किशोरी बालिकाओं और गर्भवती महिलाओं में रक्त की कमी न हो इसलिए उन्हें गुड़, चना का सेवन करने सलाह भी दी जाती है।

गृहमंत्री नक्सल प्रभावित पोटकपल्ली स्कूल पहुंचकर बच्चों से मिले बांटी टॉफियां

सुकमा। जिले के नक्सल प्रभावित गांव पोटकपल्ली में शनिवार को गृहमंत्री अमित शाह गांव के एक सरकारी स्कूल में अचानक पहुंचे और बच्चों को पढ़ाना शुरू कर दिया। इस दौरान उन्होंने बच्चों से बातें की तो उनको अंग्रेजी में जानवरों के नाम बताए और फिर जाते-जाते टॉफियां भी बांटी। मिली जानकारी के अनुसार यह आदिवासियों को देश और दुनिया से जोड़ने की पहल के रूप में देखा जा रहा है। गृहमंत्री अमित शाह का सुकमा जाने की कोई योजना नहीं थी। स्थानिय अधिकारियों से बातचीत के दौरान जब उन्हें ज्ञात हुआ कि बस्तर में फोर्स विकास, विश्वास और सुरक्षा के तीन सूत्रीय कार्यक्रम के तहत नक्सलवाद का खत्म कर रही है, तो वह स्थिति का जायजा लेने के लिए सुकमा जाने का निर्णय लिया। गृहमंत्री अमित शाह अपने दो दिवसीय बस्तर दौरे पर शुक्रवार को जगदलपुर पहुंचे थे। उनको यहां पर सीआरपीएफ के 84वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल होना था। इस दौरान कार्यक्रम के बाद अचानक गृहमंत्री अमित शाह हेलीकॉप्टर से सुकमा के लिए रवाना हो गए। वहां के एक गांव पोटकपल्ली में उनका हेलीकॉप्टर उतरा। इसके बाद गृहमंत्री गांव के सरकारी स्कूल में पहुंचे और बच्चों को अपना परिचय देते हुए बच्चों का परिचय प्राप्त किया, इसके साथ ही बच्चों को पढ़ाने की शुरुआत हो गई। गृहमंत्री अमित शाह ने क्लास रूम में टंगे चार्ट पर बने जानवरों को देखा और फिर एक-एक कर बच्चों को पास बुलाया। चार्ट पर बने चित्र पर उंगली रखते और बच्चों से उनके बारे में पूछते रहे, बच्चे भी गृहमंत्री के सवालों का जवाब देते रहे। इस दौरान गृहमंत्री ने उन्हें अंग्रेजी में भी जानवरों के नाम बताए। थोड़ी ही देर की बातचीत में बच्चे भी गृहमंत्री अमित शाह के साथ घुलमिल गए। थोड़ी देर स्कूल में रुकने और बच्चों से बातचीत के बाद गृहमंत्री अमित शाह वहां से हेलीकॉप्टर से रवाना हो गए।

मुख्यमंत्री ने महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क का किया शुभारंभ

रीपा की शुरुआत से प्रदेश के महिलाओं तथा युवाओं को मिलेगा रोजगार, पंरपरागत उद्योगों को मिलेगा बढ़ावा

श्रीकंचनपथ न्यूज

मनेन्द्रगढ़-चिरमिर-भरतपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ शासन की महत्वकांक्षी योजना महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री द्वारा राज्य के कुल 278 मल्टीएक्टिविटी सेंटर का लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री ने रीपा के ब्रोसर का विमोचन कर रीपा का शुभारंभ किया।इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री बघेल द्वारा राजीव गांधी नगरीय भूमिहीन कृषि मजदूर नया योजना का शुभारंभ तथा विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को राशि अंतरित किया गया। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण 2023 के एप्लीकेशन को लांच किया। इसके साथ ही बेरोजगारी भत्ता वेब पोर्टल लॉन्च किया है।

जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन विकासखण्ड मनेन्द्रगढ़ के ग्राम पिपरिया स्थित रीपा स्थल में किया गया है। कार्यक्रम का शुभारंभ उपाध्यक्ष सरगुजा विकास प्राधिकरण एवं विधायक भरतपुर-सोनहत विधानसभा क्षेत्र श्री गुलाब कमरो ने महात्मा गांधी तथा छत्तीसगढ़ महतारी की छायाचित्र पर माल्यार्पण कर तथा राज्यगीत के साथ हुआ। श्री कमरो ने फीता काटकर रीपा गतिविधियों का शुभारंभ किया तथा समूह की महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। जिलास्तरीय कार्यक्रम में कलेक्टर श्री पी.एस.ध्रुव एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि, जिला स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी, स्वसहायता समूह की महिलाएं तथा ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

इस दौरान समूह की महिलाओं को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया तथा खेल प्रतियोगिताओं में विजेता महिलाओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में समूह की महिलाओं द्वारा रीपा अंतर्गत निर्मित उत्पादों के स्टॉल भी लगाया गए। इसके साथ ही सोनहा बिहान आजीविका महिला संगठन द्वारा अधिवेशन सह आम सभा का आयोजन किया गया।

उल्लेखनीय है कि राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों के चयनित गौठानों को आजीविका के केन्द्र के रूप में विकसित करने के लिए वहां महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रीयल पार्क बनाए गए है। इन पार्कों को ग्रामीण उत्पादन एवं सेवा केन्द्र के रूप में विकसित किया गया है। जिले में कुल 06 रीपा चयनित हैं जिसमें स्व सहायता समूह की कुल 206 महिलाओं को आजीविकामूलक गतिविधियों से जोड़ा गया है।चयनित रीपा विकासखण्ड मनेन्द्रगढ़ के पिपरिया तथा परसगढ़ी, विकासखण्ड भरतपुर के बहरासी तथा जनकपुर, विकासखण्ड खड़गवां के चिरमी तथा दुबछोला हैं। विकासखण्ड मनेंद्रगढ़ के परसगढ़ी गौठान में रीपा अंतर्गत झाड़ू मेकिंग, बयोडिगडेबल बैग्स मेकिंग, पेपर कप और पेपर नैपकिन मेकिंग, स्लीपर चप्पल मेकिंग, स्टेशनरी प्रोडक्ट मेकिंग एवं प्रिंटिंग, वालेट पर्स एवं बैग मेकिंग यूनिट का संचालन स्व सहायता समूह की 38 महिलाएं कर रहीं हैं। पिपरिया गौठान में समूह की 37 महिलाएं फ्लाई एश ब्रिक, पेवर ब्लॉक, पोल मेकिंग यूनिट, फेब्रिकेशन प्रोफ़इल शीट उत्पादन मेकिंग यूनिट, गोबर उत्पादन मेकिंग यूनिट, बेकरी एवं मिलेट उत्पादन मेकिंग यूनिट का संचालन कर रहीं हैं।

इसी प्रकार विकासखण्ड भरतपुर के बहरासी गौठान में समूह की 27 महिलाओं द्वारा रीपा अंतर्गत जीराफुल चावल प्रसंस्करण एवं पैकिंग यूनिट के साथ वनोपज प्रसंस्करण, बोरी बैग मेकिंग एवं प्रिंटिंग, झाड़ू मेकिंग, टॉयलेटरीज प्रोडक्ट मेकिंग, स्लीपर चप्पल मेकिंग यूनिट तथा जनकपुर गौठान में 33 महिलाओं द्वारा पिकल्स मेकिंग एंड पैकेजिंग यूनिट, बेकरी एवं ब्रेड मेकिंग यूनिट, सनेटरी पैड एवं डायपर मेकिंग यूनिट, रेडीमेड फैशन डिजाइन स्विंग सेंटर, स्लीपर चप्पल मेकिंग यूनिट का संचालन कर रहीं हैं।वही विकासखण्ड खड़गवां के दुबछोला गौठान में रीपा अंतर्गत समूह की 41 महिलाओं द्वारा कुल पांच गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है जिसमे फेब्रीकेशन/प्रोफाइल शीट मेकिंग, बोरी बैग मेकिंग एवं प्रिंटिंग, फ्लाई एश ब्रिक, पेपर ब्लाक, पोल मेकिंग, पूजन सामग्री मेकिंग एवं अगरबत्ती मेकिंग, फ्लेक्स एवं ओफसेट बैनर प्रिंटिंग यूनिट तथा

जुगानीकलार एवं करनपुर में आजीविका मूलक गतिविधियों का किया गया शुभारम्भ

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोण्डागांव। शनिवार को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा मुंगेली के सरगांव से 'भरोसे का सम्मेलन' से पूरे राज्य में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई उड़ान देने वाली महत्वपूर्ण योजना महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क का वर्चुअल माध्यम से लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर वर्चुअल माध्यम से विधानसभा अध्यक्ष चरण दास महंत, पंचायत ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री रविंद्र चौबे, नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री शिव डहरिया, खाद्य मंत्री अमरजीत भगत भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर जिले में करनपुर एवं जुगानीकलार में स्थित रीपा में प्रथम फेज के लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर कलेक्टर दीपक सोनी, जिला पंचायत अध्यक्ष देवचंद मातलाम, जनपद अध्यक्ष शीश कुमारी चनाप, उपाध्यक्ष सुखराम मरकाम, एसडीएम सीमा ठाकुर, विधायक प्रतिनिधि बुधमन दीवान, मानसाय निषाद, मनसु राम नेताम, पिंकी दास, जयलाल कोर्राम, सरपंच बिसम नेताम एवं जनपद पंचायत फरसगांव के अन्य ग्राम पंचायतों के सरपंच, उपसरपंच, पंच एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

जिला पंचायत अध्यक्ष देवचंद मातलाम ने लोगों को रीपा में कार्य हेतु प्रोत्साहित करते हुए कहा कि रीपा में स्थानीय आवश्यकता के अनुरूप उत्पादन कार्य किया जा रहा है ऐसे में हम सभी को आवश्यकता है कि हम सभी स्थानीय परंपरागत निर्मित उत्पादों का उपयोग करें और पर्यावरण संरक्षण के साथ स्थानीय लोगों को रोजगार प्रदान करें। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि आज जनपद पंचायत फरसगांव के ग्राम पंचायत जुगनी कलार में प्रथम फेस के तहत् इकाई यूनिट का लोकार्पण किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह में 75 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना अंतर्गत आज ब्लॉक मुख्यालय नरहरपुर के उन्मुक्त खेल मैदान में आयोजित सामूहिक विवाह में 75 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संसदीय सचिव एवं स्थानीय विधायक शिशुपाल शोरी ने वर-वधु को सुखमय जीवन का आर्शीवाद दिया। उन्होंने सामूहिक कन्या विवाह कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा सामुहिक विवाह का आयोजन किया जा रहा है।

प्रत्येक माता-पिता की इच्छा होती है कि वह अपने संतान का विवाह धूमधाम के साथ संपन्न कराये, छत्तीसगढ़ सरकार इसमें मदद करते हुए पूरे रीति-रिवाज एवं परंपरा का पालन करते हुए धूमधाम से बेटियों का विवाह संपन्न करा रही है। मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना गरीब परिवारों के वरदान साबित हुआ है, इस योजना के तहत पहले सरकार द्वारा 15 हजार रूपये की मदद दी जाती थी, जिसे बढ़ाकर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा 25 हजार रूपये किया गया, जिसे मुख्यमंत्री द्वारा पुनः बढ़ाकर 50 हजार रूपये कर दी गई है। विकासखंड नरहरपुर के खेल मैदान में आज आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत 75 जोड़ों की शादी कराई गई है, भानुप्रतापपुर से 28, कांकेर से 16, चारामा से 15 एवं नरहरपुर से 16 जुड़े परिणय सूत्र में बंधे। सामूहिक विवाह में शामिल जोड़ों को उपहार सामग्री एवं 01 हजार रूपये नकद प्रदाय किया गया। जिला पंचायत के उपाध्यक्ष हेमनारायण गजबल्ला, बस्तर विकास प्राधिकरण के सदस्य बिरेश ठाकुर,सभापति महिला एवं बाल विकास जनपद पंचायत नरहरपुर यमुनादेवी सिन्हा ने नव दंपतियों को आशीर्वाद दिया।

बस्तर जिले को आज मिली 13 रीपा इकाइयों की सौगात

राष्ट्रपिता गांधी के ग्राम स्वराज की कल्पना किया जा रहा साकारः संसदीय सचिव

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने वर्चुअल माध्यम से रीपा (महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क) योजना के क्रियान्वयन का शुभारंभ मुंगेली जिला के सरगांव से किया। इस कार्यक्रम का वर्चुअल प्रसारण किया। नानगुर में निर्मित ग्रामीण औद्योगिक पार्क का शुभारंभ इस अवसर पर संसदीय सचिव श्री रेखचंद जैन ने किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संसदीय सचिव रेखचन्द जैन ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ग्राम सुराज का सपना साकार करना चाहते थे। उनका सपना था, कि ग्रामीण आत्मनिर्भर बनें। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने महात्मा गांधी के इस सपने को साकार करने का बीड़ा उठाया है। आज इसी कड़ी में पूरे प्रदेश में 300 ग्रामीण औद्योगिक पार्कों का उद्घाटन किया जा रहा है। आज से लगभग दो माह पहले तुरेनार में देश के पहले रीपा का लोकार्पण भी मुख्यमंत्री द्वारा किया गया था। नानगुर में रीपा में युवाओं और महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न इकाइयों की स्थापना की जाएगी। लोगों को प्रशिक्षण के साथ ही उत्पादन के विक्रय के लिए बाजार भी उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री बघेल की कृपादृष्टि हमेशा नानगुर क्षेत्र पर रही है। इस क्षेत्र के लोगों की मांग पर उन्होंने नानगुर को तहसील के दर्जा दिया। यहां स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम और कॉलेज खोलने की घोषणा की। स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बनाने के लिए अस्पताल की सौगात दी। कलेक्टर चंदन कुमार ने इस अवसर पर कहा कि हर व्यक्ति की इच्छा पैसा कमाने की होती है। इसके लिए अपने कौशल को बढ़ाना जरूरी है। बस्तर में प्राकृतिक संसाधनों की कमी नहीं है। यहां उपलब्ध संसाधनों को प्रसंस्कृत करें और अपनी आय बढ़ाएं। हम छोटे छोटे कामों से रोजगार का सृजन कर सकते हैं। इस अवसर पर नगर निगम अध्यक्ष श्रीमती कविता साहू, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनिता पोयाम, जनपद पंचायत सदस्य नीरू राम बघेल, स्थानीय सरपंच श्रीमती शांति बघेल ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रकाश सर्वे, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गौतम पाटिल सहित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में हितग्राही और ग्रामीण उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि आज बस्तर जिले के नानगुर, लोहण्डीगुड़ा विकासखण्ड के धुरागांव और गढ़िया, दरभा विकासखण्ड के गुमड़पाल और बड़े कड़मा, तोकापाल विकासखण्ड के कोंडालूर और सिंघनपुर, बकावंड विकासखण्ड के मंगनार और कोसमी, बास्तानार विकासखण्ड के इरपा और कोड़ेनार, बस्तर विकासखण्ड के सोनारपाल और भोंड में निर्मित ग्रामीण औद्योगिक पार्कों का शुभारंभ किया गया। नानगुर स्थित ग्रामीण औद्योगिक पार्क में आलू चिप्स, बेकरी, चाक और वैक्स, वाशिंग पाउडर, चैन लिंक फैंसिंग, अगरबत्ती, मुरकू चकली, नमकीन मिक्चर और एलईडी बल्ब का निर्माण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनाः सामूहिक विवाह में 203 जोड़ों ने किया दाम्पत्य जीवन में प्रवेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनांतर्गत आज 203 जोड़ों ने दाम्पत्य जीवन में प्रवेश कर नये जीवन की शुरूआत की। नव विवाहित जोड़ो को आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं देने विधायक चंदन कश्यप, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती श्यामबती नेताम, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सुनीता मांझी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनाथ उसेण्डी, नगर पालिका उपाध्यक्ष प्रमोद नेलवाल, अध्यक्ष जनपद पंचायत पंडीराम वड्डे, अध्यक्ष जनपद पंचायत ओरछा श्रीमती मालती नुरेटी, अध्यक्ष अबुझमाड़ विकास अभिकरण श्रीमती कमली लेकाम, कलेक्टर अजीत वसन्त, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत देवेश कुमार ध्रुव सहित अन्य अतिथि उपस्थित थे।

समारोह ज़िला मुख्यालय के हाई स्कूल ग्राउंड में आयोजित गया था। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि हस्तशिल्प विकास बोर्ड के अध्यक्ष एवं स्थानीय विधायक श्री चंदन कश्यप ने सामूहिक विवाह में शामिल नव विवाहित जोड़ों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना राज्य शासन की महत्वपूर्ण योजना है और इस योजना के तहत् आज 203 जोड़ों का विवाह संपन्न हो रहा है, जो बहुत ही हर्श की बात है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह शासन की एक ऐसी योजना है जो निर्धन परिवारों के लिए बहुत ही सहयोगी है। इससे गरीब परिवारों के बच्चों की शादी पूरे सामाजिक रीति रिवाज के साथ संपन्न होने के साथ ही उन्हे आर्थिक राशि एवं सामग्री दी जाती है। इसके साथ ही उन्होने जिला प्रशासन को इस व्यवस्थित आयोजन के लिए बधाई भी दी।

कार्यक्रम में अन्य उपस्थित अतिथियों ने भी अपने आर्शीवचन में कहा कि राज्य शासन ने प्रदेश के ऐसे गरीब माता-पिता जिनकी आर्थिक स्थिति इतनी अच्छी नहीं है, कि वे अपने बच्चों की शादी धूमधाम से कर सकें। ऐसे माता-पिता के लिए मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना कारगर सिद्ध हो रही है। इस अवसर पर कलेक्टर श्री अजीत वसन्त ने भी नव दंपत्तियों को उनके भावी जीवन के प्रति शुभकामना देते हुए कहा कि चुंकि वे जीवन के नये चरण में प्रवेश कर रहे है, इसी प्रकार वें शासन की अन्य योजनाओं का भी लाभ उठायें। इसके पूर्व कार्यक्रम में जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्री रविकांत ध्रर्वे ने सामूहिक विवाह आयोजन के लिए की गयी विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में नव विवाहित युगलों को योजनांतर्गत निर्धारित राशि की घरेलू सामग्री और 1000 हजार रूपये उनके बैंक खातों में जमा की गई। कार्यक्रम में विवाह विधि-विधान से संपन्न होने पर नव वर-वधू व उनके परिजनो ने भी मुख्यमंत्री श्री बघेल, जिला प्रशासन और महिला एवं बाल विकास विभाग को धन्यवाद ज्ञापित किया।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

Y Fitness
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
start 17500/-
Bajaj Finance Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

पुलिस अफसर की हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार

कोरबा (ए)। जिले में हुए पुलिस अफसर की हत्या मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

बता दे कि होली के दो दिन बाद बांगो थाना से कुछ ही दुरी पर स्थित पुलिस बैरक मैं एएसआई नरेंद्र सिंह परिहार की लाश मिली थी। पुलिस को एएसआई के सिर समेत शरीर में हथियार से हमले के निशान मिले थे। एसपी उदय किरण खुद बांगो चौकी पहुंचे थे। आरोपी की गिरफ्तारी करने के लिए एसपी ने चार टीम बनाई थी। जिसमें 75 सदस्य थे, जिसका सुपरविजन खुद एसपी उदय किरण कर रहे थे। साथ ही आईजी बद्रीनारायण मीणा ने भी बांगो थाना पहुंचकर विवेचना के संबंध में महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए थे।

जान-पहचान वालों सभी से पूछताछ हुई। जांच के दौरान पुलिस टीम को तकनीकी साक्ष्य जुटाने पर संदेही करण गिरी के बारे में पता चला। टीम ने उसे हिरासत में लेकर जब पूछताछ की तो शुरुआत में वह मना करता रहा बाद में सख्ती से पूछताछ करने पर उसने कुल्हाड़ी से हत्या करने का अपराध कबूल कर लिया। पूछताछ में आरोपी करण गिरी ने बताया कि एएसआई नरेंद्र सिंह परिहार ने दिसंबर माह में शराब जप्त कर आबकारी के प्रकरण में उसे जेल भेज दिया था। जिसमें 15 से 20 दिन जेल में था जिससे वह एएसआई से नाराज चल रहा था। होली के दिन 8 मार्च को जब वह मोहल्ले में डीजे बजा कर होली का त्यौहार मना रहा था तब एएसआई नरेंद्र सिंह परिहार ने रात 9:30 बजे आकर डीजे बंद करवा दिया और डीजे का परमिशन ना होने की बात कहते हुए डीजे की जब्ती बना ली। होली के दूसरे दिन 9 मार्च को पुलिस की होली हो रही थी जिसमें एएसआई परिहार भी होली खेलने में अन्य पुलिसकर्मियों के साथ व्यस्त थे। रात को 12 बजे वह थाने से थोड़ी दूर में स्थित बैरक में आकर सो गए इस दौरान वहां अन्य तीन बैरक में कोई पुलिस वाला नहीं था। तभी आरोपी करण गिरी ने एएसआई नरेंद्र सिंह परिहार के बैरक में जाकर खटखटाया जब नरेंद्र सिंह परिहार ने दरवाजा खोला तब मुझे ढंग से होली नहीं मनाने दिए और जेल भेज दिए कहकर अपने साथ लाए टांगी से ताबड़तोड़ हमला कर एएसआई नरेंद्र परिहार की हत्या कर दी।

दो मासूम बच्चों को छोड़कर भागी पत्नी, पति ने लगा ली फांसी

रायगढ़ (ए)। दो मासूम बच्चों को छोड़कर बीवी जब घर से दुबारा भागी तो अवसाद में डूबे पति ने बन्द कमरे में फांसी लगाते हुए अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। यह दुखद प्रसंग घरघोड़ा थाना क्षेत्र का है। पुलिस सूत्रों के अनुसार घरघोड़ा से तकरीबन 20 किलोमीटर दूर कुडुमकेला के नवाडीह में रहने वाले सिलबन्धु चौहान 35 वर्ष को शनिवार सुबह घर में अपने 5 और ढाई साल के दो बच्चों के साथ देख परिजन महुआ बीनने निकल गए। कुछ घंटे के बाद चौहान परिवार वापस घर लौटा तो दरवाजे को भीतर से बन्द पाया। तदुपरांत उन्होंने खिड़की से झांका तो भीतर का नजारा देख उनके होश उड़ गए क्योंकि म्यांर में बंधे पर वह लटक रहा था। बदहवास परिजनों ने आसपास के लोगों को मदद के लिए बुलाते हुए दरवाजा तोड़कर अंदर गए और सिलबन्धु को मृत पाया, तो इसकी सूचना थाने में दी। वहीं पुलिस ने मौका मुआयना करते हुए मृतक के परिजनों से पूछताछ की तो पता चला कि सिलबन्धु की पत्नी सालभर पहले अचानक घर से भाग गई थी, मगर कुछ रोज के बाद वापस लौट आई।

पति भी अपनी पत्नी की बेवफाई को गलती समझकर माफ कर चुका था, बावजूद इसके 7-8 महीने पहले वह फिर घर से निकल गई। ऐसे में बीवी की बेरुखी से दुखी रहने वाले सिलबन्धु ने आखिरकार फांसी लगाते हुए मौत को गले लगा लिया। बहरहाल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पोस्टमार्टम के बाद शव को अंतिम संस्कार के लिए चौहान परिवार को सौंपने वाली घरघोड़ा पुलिस मर्ग कायम करते हुए छानबीन कर रही है।

शातिर चोर गिरोह चढ़ा दुर्ग पुलिस के हत्थे तीन थानों की पुलिस को थी इनकी तलाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस ने शातिर चोर गिरोह को पकड़ने में सफलता पाई है। चोरी, नकबजनी व राहगीरों से मोबाइल लूटने वाले इस गिरोह को दुर्ग जिले के तीन थानों की पुलिस को तलाश थी। पकड़े गए आरोपियों में एक नाबालिग सहित कुल 7 लोग शामिल हैं। पुलिस ने इनके द्वारा चुराया गया सामान खरीदने वाले तीन दुकानदारों को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस केस में लगभग 7 लाख 50 हजार रुपए का सामान बरामद किया है।

दरअसल जिले के रूरल क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को देखते हुए एसपी पल्लव ने अपराधियों की धरपकड़ का निर्देश जारी किया था। इसके लिए थाना अमलेश्वर, पाटन व रानीतराई के साथ एसीसीयू की टीमों को लगाया गया। इस बीच पुलिस ने बजरंगपारा अम्लेश्वर निवासी सागर निर्मलकर को हिरासत में लिया। सागर निर्मलकर से पूछताछ में यह पता चला कि वह अपने साथी दुर्गानगर अम्लेश्वर निवासी शंकर सेठी, आशीष देवांगन, हर्ष शिंदे व एक नाबालिग के साथ मिलकर पिछले 8-9 माह से चोरियां कर रहा है।

इन शातिर चोरों ने जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में 35 से ज्यादा चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया है। अब तक इन चोरों ने मिलकर उतई, भखारा, अभनपुर, सिमगा, राजनांदगांव, धमतरी, गरियाबंद एवं रायपुर के अलग-अलग क्षेत्रों से राह चलते लोगों से मोबाईल फेन चोरी करते थे। आरोपियों के अलावा चोरी का मोबाइल खरीदने वाले झीट निवासी आशीष साहू, कट्टी अभनुपर निवासी खिलेश को भी गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से सोने चांदी के जेवरात, मोबाइल फोन व अन्य सामान बरामद किया गया है।

आपसी विवाद में युवक पर कटर से जानलेवा हमला चंद घंटों में धराया आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेंट थामस स्कूल के पास बीती रात आपसी विवाद के बाद युवक पर कटर से जानलेवा हमला कर बदमाश फरार हो गया। डायल 112 को इसकी सूचना मिली। सूचना के बाद मौके पर पहुंची भिलाई नगर की पुलिस ने घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया। इधर घटना के चंद घटों में ही आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया गया।

मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार की रात को भिलाई नगर थाना क्षेत्र के तहत सेंट थामस स्कूल के पास आपसी विवाद मे एक युवक ने दूसरे युवक पर कटर से हमला कर दिया। जिसकी सूचना पर तुरंत भिलाई नगर पुलिस की टीम घटनास्थल पहुंचकर डायल 112 के माध्यम से घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया। इसके बाद पुलिस ने कुछ ही घंटों में आरोपी हरीश यादव को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफधारा 307 के तहत कार्रवाई कर उसे जेल भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में एएसआई करण सोनकर, आरक्षक रोहन दुबे, लिनेश वर्मा, तोषण चन्द्राकर की भुमिका महत्वपूर्ण रही।

डंडे से पीट-पीटकर 2 युवकों की हत्या

बाजार से वापस लौट रहे थे, रास्ते में आरोपी ने रोका, फिर गाली देकर किया हमला

बेमेतरा (ए)। बेमेतरा जिले के साजा थाना क्षेत्र में एक सिरफिरे युवक ने 2 लोगों को मौत के घाट उतार दिया। दोनों युवक बाजार से सामान खरीदकर अपने गांव वापस लौट रहे थे, तभी देवकर चौकी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले डेहरी मार्ग पर आरोपी ने गालीगलौज करने के बाद दोनों के सिर पर जानलेवा हमला कर दिया। पुलिस ने आरोपी को फिलहाल गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक, बचेड़ी का रहने वाला सुरेश ध्रुव (40 वर्ष) और विनोद यादव (37 वर्ष) शुक्रवार देर रात देवकर के बाजार से सामान खरीदकर अपने गांव वापस लौट रहे थे। रास्ते में बद्री यादव (30 वर्ष) ने दोनों को रोका। इसके बाद उनके साथ गालीगलौज और विवाद करने लगा। सुरेश और विनोद के साथ आरोपी बद्री की तू-तू मैं-मैं होने लगी। जिसके बाद सिरफिरे युवक बद्री ने अपने पास रखे डंडे से दोनों युवकों पर जानलेवा हमला कर दिया। उन्हें जमकर पीट दिया।

घायल हालत में ले गए अस्पताल

आरोपी ने सुरेश और विनोद के सिर पर ताबड़तोड़ हमला किया, जिसके कारण दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए और लहूलुहान होकर घटनास्थल पर ही गिर गए। आसपास के लोगों ने सिरफिरे युवक से दोनों युवकों को छुड़ाया और आरोपी को पकड़ लिया। लोगों ने साजा थाना पुलिस को तत्काल सूचना दी और आनन-फानन में गंभीर रूप से घायल दोनों युवकों को देवकर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।

देवकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जांच के बाद डॉक्टरों ने दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। इधर मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों युवकों के शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उससे पूछताछ कर रही है।

आरोपी ने थाने में पुलिसवालों को भी धमकाया

आरोपी को गिरफ्तार कर लाने के बाद वो थाने में मौजूद लोगों को भी धमका रहा है। उसने कहा कि तुम लोग मुझे जानते नहीं हो। थाना प्रभारी विवेक पाटले ने कहा कि आरोपी बद्री यादव नागपुर में हमाली का काम करता था। कुछ दिन पहले ही अपने गांव आया है। प्रथम दृष्टया इसकी मानसिक हालत ठीक नहीं दिख रही, हालांकि मेडिकल जांच के बाद इस बारे में कुछ कहा जा सकेगा। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने कहा कि आरोपी पूछताछ में भी सहयोग नहीं कर रहा है और घटना के संबंध में कोई जानकारी नहीं दे रहा।

चोर बाप-बेटा गिरफ्तार: सुने मकान को बनाया था निशाना, साढ़े 8 लाख का समान जब्त

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर में पुलिस ने बाप-बेटा समेत तीन चोरों को गिरफ्तार किया है। इन चोरों ने डीडी नगर क्षेत्र में सुनसान घर को अपना निशाना बनाया था। उन्होंने घर के मेन दरवाजे के ताले को तोड़कर चोरी की वारदात की। फिर घर से नगद और जेवरात समेत लाखों का सामान ले उड़े थे। जिसके बाद से डीडी नगर पुलिस लगातार इन चोरों की तलाश कर रही थी।

घर के लोग गांव गये थे

डीडी नगर इलाके के सेक्टर 4 के रहने वाले राकेशधर दीवान पूरे परिवार के साथ अपने गांव गए हुए थे। उन्होंने 25 फरवरी को घर में लगाया फिर निकल गए। पीड़ित के घर के ऊपर उनके बेटी और दामाद निवास करते है। 26 मार्च को जब उनके बेटी दामाद वापस लौटे तो उन्होंने देखा कि मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ है। जिसके बाद उन्होंने इसकी सूचना अपने पिता को दी। उन्होंने जब घर के अंदर जाकर देखा तो कमरों का भी ताला टूटा हुआ था। अंदर पड़ी आलमारी में सारा सामान बिखरा हुआ था। जिसके बाद उन्होंने आनन-फानन में तत्काल पुलिस को सूचना दी।

पुलिस को पुराने चोरों पर शक हुआ

इस मामले की जांच के लिए पुलिस में सबसे पहले पुराने चोरों की लिस्ट की जांच की। चोरी के तरीके के आधार पर जेल से छूटे चोरों से पूछताछ की गई। जिसमें कुकुर बेड़ा निवासी सत्यम तिवारी का पता चला। पुलिस ने जब उससे वारदात के बारे में पूछा तो वह गोल गोल घुमाने लगा। उसके बाद कड़ाई से पूछताछ में उसने इस चोरी के संबंध दो अन्य व्यक्तियों के नाम भी बताया। रसपाल सिंह(48) और तीरथ सिंह(24) आपस में पिता पुत्र है। पुलिस ने चोरों के पास से करीब साढ़े 8 लाख रुपये के नगद समेत सामान जप्त कर लिये है। इस मामले में आगे की कार्यवाही जारी है।

दूसरे के दस्तावेजों से फायनेंस कर बेच देते थे वाहन, तीन शातिर ठग गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। खुर्सीपार निवासी बीएसपी कर्मी हेमंत कुमार के दस्तावेज लेकर फर्जी तरीके से बुलेट बाइक, कार, वॉशिंग मशीन तथा मोबाइल फायनेंस कराकर लाखों की धोखाधड़ी करने वाले शातिर बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने खुर्सीपार निवासी शिवा उर्फ शिवकुमार, भिलाई तीन निवासी श्रीनिवास व अभनपुर निवासी योगेश सोनवानी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने इनके पास से लगभग 3 करोड़ रुपए का मशरुका बरामद किया है जिसमें 10 कार, 1 बुलेट बाइक, 1 वॉशिंग मशीन व दो मोबाइल फोन बरामद किया है। तीनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने की कार्रवाई की गई है।

बता दें खुर्सीपार निवासी बीएसपी कर्मी हेमंत कुमार ने एक दिन पहले ही खुर्सीपार थाने पहुंचकर इन शातिरों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। उसने शिकायत में बताया था कि उसने बेटी की शादी के लिए 20 हजार रुपए शिवा से मांगे थे। इसके बाद शिवा व उसके दोस्त श्रीनिवास ने उसे रायपुर ले जाकर योगेश सोनवानी से मिलाया। 20 हजार देने के बदले इन तीनों ने हेमंत कुमार के

दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक पासबुक व चेक का इस्तेमाल का एक बुलेट, एक एक्सयुवी, वॉशिंग मशीन व दो मोबाइल फोन फायनेंस करा दिया। जब किस्त की रिकवरी के लिए बैंक कर्मी इनके घर पहुंचे तब इन्हें ठगी का पता चला। इस मामले में शिकायत के बाद खुर्सीपार पुलिस ने धारा 420, 120 बी के तहत अपराध दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी।

आरोपियों की तलाश के लिए खुर्सीपार पुलिस की अलग अलग टीमें रवाना हुई। सबसे पहले खुर्सीपार निवासी शिवा उर्फ शिव कुमार को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। उसकी निशानदेही पर भिलाई तीन से श्रीनिवास व अभनपुर से योगेश सोनवानी को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में इन तीनों ने अपना सारा सच उगल दिया। दरअसल तीनों शातिर इस तरह से फाइनेंस कराने के बाद दूसरे राज्यों में बेच देते थे। शातिरों ने एक ही सेलरी स्लिप से कई बार फायनेंस करा दिया।

आरोपियों के पास से पुलिस ने एक क्रेटा हुन्डई, एक लाल रंग का आई - 20 हुन्डई, एक सफेद रंग का स्कोडा कार, एक बीएमडब्लू, एक स्कोडा कंपनी का सिल्वर कलर का कार, एक सफेद रंग का क्रेटा, एक क्रेटा काले रंग का, एक क्रेटा महरून रंग का, एक होण्डा सिटी कार बरामद किया गया। आरोपियों ने इन वाहनों को मोडीफाई कर केरल, कर्नाटक, गोवा अरूणाचल प्रदेश, आन्ध्रा प्रदेश, उडीसा, मध्य प्रदेश में ले जाकर बेच देते थे।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026,
8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

सिविक सेंटर का अर्जुन रथ परिसर भव्य स्वरूप में आएगा नजर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न विकास कार्य किए जा रहे हैं इसके तहत सिविक सेंटर का अर्जुन रथ परिसर अतिशीघ्र भव्य स्वरूप में नजर आने वाला है, इसका कार्य लगभग अंतिम चरण पर है।

आज महापौर नीरज पाल और निगम आयुक्त रोहित व्यास ने विकास कार्यों को लेकर विभिन्न स्थानों का जायजा लिया और अधिकारियों को मौके पर आवश्यक निर्देश दिए तथा कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखने कहा। अर्जुन रथ परिसर में नाली निर्माण, सुरक्षा घेरा के लिए बाउंड्री वॉल, अर्जुन रथ का विकास एवं सौंदर्यीकरण, परिसर के भीतर चलने के लिए पाथवे का निर्माण एवं आकर्षक गार्डनिंग, भव्य प्रवेश द्वार के साथ ही बेहतर प्रकाश व्यवस्था होगी। विधायक देवेंद्र यादव ने भी इसके सौंदर्यीकरण को लेकर कई दफा निरीक्षण किया है। अब यह कार्य फाइनल स्टेज में है और यहां पर आने वाले लोगो को यह आकर्षित करेगा। सुपेला चौक के समीप सात अजूबे के स्थल का भी सौंदर्यीकरण किया जा रहा है, इसमें भी आकर्षक प्रकाश व्यवस्था तथा लैंडस्कैपिंग सहित अनेकों कार्य किए जाएंगे। जिसके चलते यह स्थल आकर्षक प्रतीत होगा। सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए इस पर कार्य किया जा रहा है। स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल श्री राम चौक के पास निर्मित हो चुका है, कुछ ही कार्य यहां पर शेष रह गए हैं, दो मंजिला भवन के साथ यह स्कूल तैयार हो चुका है। लाइब्रेरी, विभिन्न प्रयोगशाला, प्राचार्य कक्ष, स्टॉफ रूम सहित बच्चो के अध्ययन के लिए 11 क्लासरूम यहां पर निर्मित हो चुके हैं। इसके चलते बच्चों को अच्छे माहौल में अध्ययन करने का मौका मिल पाएगा। वैशाली नगर जोन क्षेत्र में वेंडिंग जोन का निर्माण किया जा रहा है, एक अलग ही अवधारणा के साथ यहां ठेले और गुमटीयों को व्यवस्थित करने के लिए बेहतर प्लेटफार्म मिलेगा। आकर्षक वॉल पेंटिंग और पेवर ब्लॉक, प्रकाश व्यवस्था तथा लैंडस्कैपिंग युक्त वेंडिंग जोन भिलाई के वैशालीनगर में तैयार हो रहा है। फरीद नगर में स्वामी आत्मानंद स्कूल शीघ्र तैयार हो जाएगा इसके साथ ही यहां पर सामुदायिक भवन एवं छात्रावास का निर्माण भी किया जा रहा है। खमरिया में स्वामी आत्मानंद स्कूल के रिनोवेशन का काम किया गया है जहां पर स्कूली छात्र-छात्राएं अंग्रेजी माध्यम स्कूल में अच्छे से अध्ययन कर पा रहे हैं।

खास - खबर

बीएसपी द्वारा ग्राम करंजा में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) विभाग द्वारा दिनांक 25 मार्च, 2023 को दुर्ग जिले के करगाडीह के ग्रामीणों को चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराने हेतु एक दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस षिविर में पुरुषों, महिलाओं और बच्चों सहित कुल 50 व्यक्तियों का नि:शुल्क उपचार और परामर्ष दिया गया। स्वास्थ्य देखभाल टीम में भिलाई इस्पात संयंत्र के चिकित्सक शामिल थे।

चेम्बर जोन 3 एवं 4 में नियमिति करण शिविर का आयोजन सम्पन्न

भिलाई। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफकॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज, भिलाई इकाई एवं निगम भिलाई के संयुक्त तत्वाधान में आज चेम्बर जोन 3 एवं 4 में नियमितिकरण शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य रूप से चेम्बर के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन एवं भिलाई चेम्बर अध्यक्ष गारगी शंकर मिश्र सहित निगम जोन कमिश्नर अमिताभ शर्मा एवं पिल्लै मैडम उपस्थित रहे। चेम्बर कार्यालय एवं सपना टाकिज रोड पावर हाउस में आयोजित शिविर में शुक्ला मार्केट, जवाहर मार्केट, लिंक रोड मार्केट, अनाज मंडी मार्केट, सब्जी मंडी, पावर हाउस नंदनी रोड मार्केट, आरएसएस मार्केट, महात्मा गांधी मार्केट, शास्त्री मार्केट के व्यापारी नियमितिकरण हेतु अपना आवेदन प्रस्तुत किये। नियमितिकरण शिविर में पहुंचे व्यापारियों भिलाई चेम्बर की इस पहल का स्वागत करते हुए उनके प्रयासों की सरहना की। वहीं चेम्बर प्रदेश महामंत्री अजय भसीन एवं भिलाई चेम्बर अध्यक्ष गारगी शंकर मिश्र ने शिविर में पहुंचकर व्यापारियों से मुलाकात की एवं उनकी समस्याओं को सुना तथा समस्याओं को निराकरण का प्रयास करने की बात कही। इसी क्रम में जोन 1 और जोन 2 में भी शिविर क्रमश: ज्योति हॉस्पिटल केपीएस रोड एवं प्रिया कंप्यूटर दक्षिण गंगोत्री सुपेला में आगामी 27 मार्च सोमवार को प्रात: 11:00 से 4:00 तक लगाया जाएगा। वहीं 28 मार्च को सर्कुलर मार्केट पावर हाउस भिलाई चेंबर ऑफिस में पुन: प्रात: 11:00 बजे लगाया जाएगा। भिलाई चेमबर ने सभी व्यापारियों से इस शिविक का लाभ लेने अपील की है। इस दौरान मुख्य रूप से शिविर के प्रभारी सुनील मिश्रा, शिवराज शर्मा, मनोहर कृष्णानी, संतोष साहू एवं निगम के कर्मचारी सहित चेंबर के सदस्य शामिल थे।

विश्व टीबी दिवस पर सेक्टर 9 हॉस्पिटल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

भिलाई। विश्व टीबी दिवस पर सेल-भिलाई इस्पात सयंत्र के जलावाहरलाल नेहरु चिकित्सालय एवं अनुसन्धान केंद्र (सेक्टर 9 हॉस्पिटल) में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। टीबी मुक्त भारत बनाने के जागरूकता कार्यक्रम के दौरान नुक्कड़ नाटक कर भी लोगों को टीबी के प्रति जागरूक किया गया. साथ ही लोगों को टीबी के लक्षणों की जानकारी देकर जांच कराने की सलाह भी दी गई. भारत मे लगभग 20 प्रतिषत लोग टीबी से ग्रसित है. हर साल टीबी की बीमारी के प्रति लोगों को जागरुक करने के लिए 24 मार्च को विश्व क्षय दिवस ;ॅवतसक ज्नइमतबनसवेपे क्ंलद्ध मनाया जाता है. इसी कड़ी में सेक्टर 9 हॉस्पिटल में ट्यूबरकुलोसिस (टीबी) समन्धित आयोजित इस जागरूकता कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक के पश्चात प्रश्न प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। साथ ही टीवी से बचाव और सुरक्षा के उपाय बताए गए। टी.बी. के लक्षणों की जानकारी लोगों को दी गयी. जिनमे से कुछ इस प्रकार है. भूख न लगना, कम भूख लगना तथा वजन अचानक कम हो जाना, बेचैनी एवं सुस्ती छाई रहना, सीने में दर्द का एहसास होना, थकावट रहना व रात में पसीना आना, हल्का बुखार रहना, हरारत रहना, खांसी आती रहना, खांसी में बलगम आना तथा बलगम में खून आना, कभी-कभी जोर से अचानक खांसी में खून आ जाना, गहरी सांस लेने में सीने में दर्द होना, कमर की हड्डी पर सूजन, घुटने में दर्द, घुटने मोड़ने में परेशानी आदि।

अनाधिकृत विकास व निर्माण का नियमितीकरण कराने का अच्छा मौका

भिलाई निगम लगा रहा है शिविर आर्किटेक्ट भी रहेंगे मौजूद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के विभिन्न क्षेत्रों में अनाधिकृत विकास व निर्माण के नियमितीकरण के लिए भिलाई निगम के द्वारा शिविर लगाए जा रहे हैं। शिविर का लाभ उठाकर बिना अनुज्ञा के निर्माण, अनुज्ञा के विपरीत निर्माण, आवासीय में व्यवसायिक निर्माण करने वाले लोग नियमितीकरण करा सकते हैं।

शिविर में आर्किटेक्ट भी मौजूद हो रहे हैं ताकि इनके माध्यम से आवेदन भिलाई निगम में जमा हो सके। 27 एवं 28 मार्च को नेहरू नगर के आवासीय सह व्यवसायिक परिसर नेहरू नगर में, 27 एवं 28 मार्च को दक्षिण गंगोत्री प्रियदर्शनी परिसर में तथा 29 मार्च एवं 31 मार्च को स्मृति नगर बाजार क्षेत्र के समीप प्रात: 11:00 बजे से शिविर का आयोजन किया जाएगा। अनाधिकृत विकास व निर्माण के दायरे में आने वाले सभी इस शिविर में नियमितीकरण के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए निगम के कर्मचारी निरंजन असाटी, हरि प्रेम वर्मा, ओमप्रकाश चंद्राकर, यतराम चंद्राकर, प्रमोद शर्मा एवं विवेक साहू की ड्यूटी लगाई गई है।

नगर पालिक निगम भिलाई अपील करता है कि शिविर का फायदा उठाकर अधिक से अधिक लोग आवेदन कर शासन की नियमितीकरण की महत्ती योजना का लाभ उठाएं। गौरतलब है कि अनाधिकृत विकास व नियमितीकरण के दायरे में आने वाले लोगों को नोटिस थमाया गया है, अभी भी यह कार्यवाही जारी है। नोटिस की अवहेलना करने वाले दुकानों, भवनों पर सील बंदी की कार्रवाई भी निगम ने की है। हाल ही में निगम और व्यापारियों के मध्य हुई बैठक में चेंबर ऑफ कॉमर्स तथा विभिन्न व्यवसाइयो की मांग पर फिलहाल सीलबंद की कार्रवाई को रोक दिया गया है और नियमितीकरण के लिए शिविर का आयोजन मार्केट एरिया में किया जा रहा है। व्यापारियों ने भी शिविर के आयोजन की मांग की थी, इनके मांग को स्वीकार करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में शिविर के माध्यम से अनाधिकृत विकास व निर्माण के नियमितीकरण के आवेदन लिए जा रहे हैं। आज जोन क्रमांक 3 पावर हाउस भिलाई में तथा जोन क्रमांक 4 सपना टॉकीज नंदनी रोड के समीप शिविर का आयोजन किया गया था। जिसमें अधिकतम लोगों ने अपने आवेदन जमा किए है। उल्लेखनीय है कि निगम आयुक्त रोहित व्यास ने अनाधिकृत विकास व नियमितीकरण के लिए अधिकारियों को अधिक से अधिक आवेदन जमा कराने के निर्देश दिए है इसी तारतम्य में शिविर के माध्यम से आवेदन प्राप्त किया जा रहा है।

मर्चेन्ट एण्ड वायर रॉड मिल विभाग के कार्मिक शिरोमणि पुरस्कार से हुए सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मिल जोन-1 के अन्तर्गत मर्चेन्ट एण्ड वायर रॉड मिल विभाग में दिनांक 24 मार्च 2023 को पाली शिरोमणि एवं कर्म शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में प्रवीण कुमार गान्डी, सहायक महाप्रबंधक (प्रचालन) वायर रॉड मिल एवं दीपक बाउस्कर, चार्जमेन-सह-मास्टर तकनीशियन, विद्युत अनुरक्षण, मर्चेन्ट मिल को पाली शिरोमणि पुरस्कार और अखिलेश कुमार, मास्टर ऑपरेटर, ए जगन्नाथ राव, चार्जमेन-सह-वरिष्ठ तकनी शियन, अमितवा दास, मास्टर ऑपरेटर, मर्चेन्ट मिल एवं तोमन लाल महेरिया, मास्टर तकनीशियन, शंकर लाल ठाकरे, मास्टर ऑपरेटर एवं कमलेश कुमार दीक्षित, मास्टर तकनीशियन, वायर रॉड मिल को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विभाग प्रमुख व मुख्य महाप्रबंधक (मर्चेन्ट एण्ड वायर रॉड मिल) मनीष कुमार गोयल ने अपने उद्बोधन में कार्य के दौरान सभी सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करने व संसाधनों का उच्चतम उपयोग करते हुए बेहतर प्रतिफल प्राप्त करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में महाप्रबंधक जेवियर बेक, महाप्रबंधक एस के हरीरमानी एवं सभी अनुभाग प्रमुख महाप्रबंधक श्रीमति अनुपमा कुमारी, महाप्रबंधक आर के राजधर, महाप्रबंधक एस के नायक एवं महाप्रबंधक श्री मोहिब्बुल हुसैन उपस्थित रहे।

जिला अस्पताल में 23.75 करोड़ के क्रिटिकल केयर यूनिट का कार्य शुरु

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। 500 बिस्तर वाले जिले के सबसे बड़े अस्पताल शासकीय जिला चिकित्सालय में 23.75 करोड़ की लागत से स्वीकृत क्रिटिकल केयर यूनिट का निर्माण प्रारंभ हो गया है। चिकित्सालय परिसर में बन रहे सीसीयू में 11 करोड़ की लागत से भवन निर्माण कार्य करवाए जाने के बाद 12.75 करोड़ की लागत से अत्याधुनिक मशीनरी एवं अन्य व्यवस्थाएं विश्वस्तरीय अस्पतालों की तर्ज पर की जाएंगी।

परिसर में ही जर्जर हो चुके टीबी अस्पताल को भी डिस्मेंटल कर नए भवन निर्माण का कार्य शुरू किया गया है। स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के लिए लगातार सक्रिय वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अरुण वोरा स्वास्थ्य विभाग एवं सीजीएमएससी के अधिकारियों के साथ प्रगतिरत कार्यो के निरीक्षण में पहुंचे। वोरा ने कहा कि पिछले 4 वर्षो में जिला अस्पताल का पूरी तरह से कायाकल्प किया गया है। भूपेश बघेल के नेतृत्व में कोरोना काल मे सफल व्यवस्थापन के साथ ही लगातार अस्पताल का उन्नयन कार्य करवाया जा रहा है। 11 करोड़ के सर्जिकल वार्ड, ट्रामा सेंटर, वायरोलॉजी लैब, हमर लैब, डेंटल केयर यूनिट, 3 करोड़ के ऑक्सीजन प्लांट, आइसोलेशन वार्ड के बाद क्रिटिकल केयर यूनिट एवं टीबी अस्पताल का निर्माण हो जाने के बाद दुर्ग जिला अस्पताल किसी भी सर्वसुविधायुक्त विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ आम जनता को सेवाएं देने में समर्थ है। शहर की जनता एवं आसपास के क्षेत्र के नागरिकों को गंभीर एवं छिद्रान्वेषण की आवश्यकता वाली बड़ी बीमारियों के लिए भी जिला मुख्यालय से बाहर नहीं भटकना पड़ेगा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा स्वास्थ्य सुविधा बेहतर करने लगातार राशि स्वीकृत की जा रही है 20 वार्डो में हमर क्लिनिक निर्माण, मोबाइल मेडिकल यूनिट से लोगो को घर के दरवाजे पर इलाज प्राप्त हो रहा है।

एक मुट्ठी दान- श्रीराम के नाम अभियान में सहभागिता देने भिलाईवासियों का उत्साह चरम पर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। श्रीराम जन्मोत्सव समिति, भिलाई द्वारा चलाये जा रहे एक मुट्ठी दान- श्रीराम के नाम अभियान में सहभागिता देने भिलाईवासियों का उत्साह चरम पर है। समिति के संरक्षक प्रेमप्रकाश पाण्डेय के नेतृत्व में सदस्यों द्वारा जिले के हर क्षेत्र में अन्न संग्रहण किया जा रहा है, समिति द्वारा अब तक लगभग 50 हजार से अधिक घरों तक पहुंचकर अन्न संग्रहण किया जा चुका है और यह क्रम निरंतर जारी है।

अभियान के दौरान समिति द्वारा प्रत्येक घर में भगवा ध्वज और आमंत्रण पत्र भेंटकर उन्हें कार्यक्रम में आमंत्रित भी किया जा रहा है। समिति के संरक्षक एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डेय ने कहा कि हिन्दू धर्म में दान को पुण्य कार्य माना गया है, और प्रत्येक भिलाईवासी इस पुण्यकार्य का सहभागी बनने के लिए उत्साहित है।

उन्होंने कहा कि मध्य भारत के इस सबसे बड़े धार्मिक आयोजन में अपनी सहभागिता देने के लिए भिलाईवासियों ने जो आस्था और उत्साह दिखाया है वह अभूतपूर्व है। हमने जिले के हर क्षेत्र में लोगों के बीच पहुंचकर अन्न संग्रहण किया और सभी ने मुक्तहस्त से अन्न दान कर इस नेक कार्य में सहभागिता दी।

समिति द्वारा संरक्षक प्रेमप्रकाश पाण्डेय के नेतृत्व में रिसाली एवं खुर्सीपार प्रखण्ड में अन्न संग्रहण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में बड़े-बुजुर्गों और छोटे बच्चों ने उत्साह के साथ अन्न दान किया। इस दौरान मुख्य रूप से सेवकराम साहू, रविंद्र भगत, मुकेश सिंह, रंगबहादुर सिंह, मुकेश पाण्डेय, अशोक तमिल, धर्मेंद्र भगत, अजीत चौधरी, गैंदलाल जंघेल, मनट्यून चौबे, दिलीप चौधरी, श्रीमती सुनीता विश्वकर्मा, चिंता देवी, रेवती ठाकुर, धनेश्वरी साहू, श्यामा साहू, प्रमिला गजपाल, मधु कोरी, आकाश सिंह, भगवती साहू, ओमिन साहू, दुलारी साहू, संगीता साहू, अनिल राय, राजकिशोर सिंह, अंबरलाल श्रीवास्तव, श्रवण गुप्ता, गजेंद्रि कोठारी, कलविंदर कौर, कृष्णा पोद्दार, रवि मानिकपुरी, ओमकुमार सिंह, संतोष देवांगन, विनोद, जयकिशोर, खम्हान साहू, रेवाराम देवांगन, खिलावन शर्मा आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

जोड़ो के दर्द निदान शिविर में ठीक हुए लोगों ने कहा ये चमत्कार है

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालयद्वारा सेक्टर 7 स्थित पीस ऑडिटोरियम में बड़ौदा से आए विशेषज्ञ डॉक्टर राजू, डॉक्टर श्याम, एवं ब्रह्माकुमार नरेश भाई के सानिध्य में सभी प्रकार के जोड़ों के दर्द का निदान शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने अपना सफलतापूर्वक इलाज बिना दवाइयों के निशुल्क करवाया ।

दूरदराज क्षेत्रों से प्रात: ही बड़ी संख्या में दर्द से परेशान लोग पहुंच गए थे जिनका निशुल्क रजिस्ट्रेशन एवं टोकन देकर छोटे-छोटे ग्रुप्स बनाकर सबसे पहले उन्हें सोने की सही विधि उठने की विधि तकिया रखने की विधि करवट लेते समय एवं कोहनी, पेट के बल, पीठ केबल सोने के सही गलत वैज्ञानिक तरीकों के बारे में बताकर सही विधि बताई गई।

माइग्रेन, वर्टिगो, साइटिका, कमरदर्द, घुटना दर्द, कंधों का दर्द एवं सभी प्रकार के जोड़ों के दर्द को बड़ौदा से पधारे त्रिमूर्ति विशेषज्ञों द्वारा बिना दवाई के सफलतापूर्वक इलाज किया गया ।

हमारे सोने का बेड अर्थात बैड तरीका ही हमें विभिन्न प्रकार के दर्द से परेशान करता है । डॉक्टर श्याम ने बताया कि 2000 डिग्री की अग्नि जलती चिता में भी हमारी अस्थियां पूरी तरीके से नहीं जलती है लेकिन हमारे घुटने घिस जाते हैं। हमारे शरीर के ग्राउंड फ्लोर के तलवों पर असर नहीं होता है लेकिन फर्स्टफ्लोर के घुटने घिस जाते हैं। थोड़े से नियमित एक्सरसाइज से 2 महीने में हमारा घिसा हुआ घुटना नया बन जाता है। घुटना रिप्लेसमेंट से आर्टिफिशियल आर्टिफिशियल ही होता है ओरिजिनल नहीं। हमारी हड्डियां प्लास्टर ऑफ पेरिस से नहीं बल्कि स्वत: ही जुड़ती है, प्लास्टर ऑफ पेरिस का लेप उसे स्थिर रखता है, क्योंकि शरीर का अपना नेचुरल प्रोसेस है(हीलिंग) इलाज का ।

पंजों की एक्सरसाइज, गर्दन की एक्सरसाइज, घुटनों की एक्सरसाइज सभी को डेमोंसट्रेशन देकर बताया गया। आपने उदाहरण के द्वारा बताया कि हाथी धरती का सबसे बड़ा और भारी प्राणी है उसको कभी घुटनों का दर्द नहीं होता ना ही किसी प्रकार की शरीर में दर्द होता है क्योंकि वह घास और पत्ते खाता है वह शाकाहारी होता है7 आपने हड्डियों की मजबूती के लिए एक कटोरे पानी में रोज रात को सोने से पूर्व दो चम्मच तिल के तेल का सेवन करने को कहा जिससे हड्डियां और मांसपेशियां मजबूत होती है एवं हमें दर्द से छुटकारा मिलता है। आजकल के बड़े आरामदायक फोम एवं रबर के गद्दोंमें सोने से भी कई प्रकार के दर्द आ रहे हैं दैनिक जीवन में। जिसमें उपयोग केमिकल से बेडसोल होता है 7 इसीलिए हमें रूई के पतले गद्दों का इस्तेमाल करना चाहिए। बड़ौदा से आए थे त्रिमूर्ति डॉक्टर ने सुबह से ही अथक होकर बड़ी संख्या में आये सभी का बिना दवाइयों के सफलइलाज किया 7 तुरंत दर्द से राहत पाने वाले , ठीक हुए लोगों ने अपने अनुभव साझा किए कहा आए थे दर्द से जा रहे हैं मुस्कुराते हुए यह किसी चमत्कार से कम नहीं है।

महिला जागरूकता सम्मेलन का आयोजन किया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। हमारे शहर भिलाई नगर में महिला जागरूकता सम्मेलन का आयोजन किया गया इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा जी उपस्थित हुई कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यसभा सांसद सरोज पांडेय ने की विशेष अतिथि के रूप में पद्मश्री उषा बारले एवं विभा अवस्थी तथा महिला महाविद्यालय की प्रिंसिपल संध्या मदन मोहन उपस्थित थी।कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती जी की मूर्ती पर माल्यार्पण एवं दीपप्रज्वलन कर की गयी।तत्पश्चात कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगो के द्वारा राज्यगीत गाया गया।इसके उपरांत मंच पर उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत सम्मान किया गया। आज के इस महिला जागरूकता सम्मेलन में उपस्थित महिलाओ को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने अपने उतबोधन मे कहा कि आज भी महिला को अपने अधिकारों और हितों की लड़ाई लड़नी पड़ती है और यह लड़ाई लड़की के पैदा होने से शुरू हो जाती है।

भारत में विभिन्न संस्कृतियों का संगम है। स्त्री हर संस्कृति के केंद्र में होकर भी केंद्र से दूर है समाज अपनी आवश्यकता के अनुसार स्त्री को ढालता आया है। उसके सोचने से लेकर उसके जीवन जीने के ढंग को पुरुष अभी तक नियंत्रित करता आया है और आज भी करने की कोशिश करता रहता है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950